■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 108 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 12-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ‘वंदे मातरम’ का विरोध करने वाला भारत माता का विरोध कर रहा : आदित्यनाथ
6 जब शिव बने कालभैरव : अहंकार के अंत की कथा
7 अभिनेता राजकुमार राव ने पूरी की ‘निकम’ फिल्म की शूटिंग

फर्स्ट टेक

सीरिया के राष्ट्रीय संग्रहालय से चोरों ने रोमन काल की मूर्तियां चुराईं

दमिश्क/एपी। सीरिया की राजधानी स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय से चोरों ने रोमन काल की कई प्राचीन मूर्तियां चुरा लीं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दमिश्क का राष्ट्रीय संग्रहालय सोमवार तड़के चोरी का पता चलने के बाद अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। देश 14 साल के गृहयुद्ध और पिछले साल 54 साल के असद परिवार के शासन के पतन से जूझ रहा है। ऐसे में संग्रहालय जनवरी में फिर से खोला गया था। मध्य दमिश्क स्थित देश के इस सबसे बड़े संग्रहालय में इतिहास से जुड़ी अमूल्य प्राचीन वस्तुएं रखी हैं। देश में अराजकता के माहौल के बाद संग्रहालय में धातु के गेट और निगरानी कैमरे लगाए गए थे।

तुर्किये का सैन्य विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त, 20 लोग थे सवार

अंकारा/एपी। तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को अजरबैजान की सीमा के पास जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 20 लोग सवार थे। तुर्किये और जॉर्जिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी। तुर्किये के समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में विमान को नीचे की ओर गिरते हुए तथा सफेद धुआं छोड़ते हुए दिखाया गया है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच ’एक्स’ पर कहा कि सी-130 विमान ने अजरबैजान से उड़ान भरी थी और तुर्किये वापस आ रहा था, तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने हताहतों की संख्या का संकेत दिया, लेकिन कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

यूक्रेन ने ऊर्जा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले में पांच को हिरासत में लिया

कीव/एपी। यूक्रेनी भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि उसने देश के ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के कथित रिश्वतखोरी से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले की जांच के तहत पांच लोगों को हिरासत में लिया है और सात अन्य संदिग्धों की पहचान की है। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने अपने बयान में संदिग्धों के नाम नहीं बताए, लेकिन कहा कि उनमें एक व्यवसायी शामिल है, जिसे इस मामले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। इसके अलावा देश के ऊर्जा मंत्री का एक पूर्व सलाहकार और राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा कंपनी एनर्जोएटम का एक अधिकारी शामिल है। एजेंसी ने एक दिन पहले एनर्जोएटम सहित ऊर्जा क्षेत्र में संदिग्ध भ्रष्टाचार की 15 महीने की जांच के कुछ विवरण उजागर किए हैं।

दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थिंपू/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना की जांच कर रही एजेंसियां इ्ङ्क्षमामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाएगा। मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिंपू आए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सोमवार को पूरी रात विस्फोट की जांच कर रही एजेंसियों के संपर्क में रहे। दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार शाम एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। मोदी ने कहा, भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। इसलिए, इस खास मौके का हिस्सा बनना भारत और मेरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने कहा, लेकिन आज मैं भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत दुखी किया है। मैं प्रभावित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

मोदी ने कहा, हमारी एजेंसियां इस साजिश की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने चांगलीमेथांग स्टेडियम में हजारों भूटानी नागरिकों की मौजूदगी में दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि भूटानी नेतृत्व ने दिल्ली विस्फोट में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और सभी प्रभावित परिवारों के लिए विशेष प्रार्थना की। दिल्ली में जांचकर्ता इस विस्फोट की संभावित आतंकवादी हमले के रूप में जांच रहे हैं। उन्होंने कश्मीर के डॉक्टर उमर नबी पर संदेह जताया है, जो कथित तौर पर उस कार को चला रहा था, जिसका इस्तेमाल लाल किले के पास विस्फोट के लिए किया गया।

माना जा रहा है कि डॉ. नबी विस्फोट में मारा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने विस्फोट में उसकी भूमिका का पता लगाने के लिए उसकी मां के डीएनए का नमूना एकत्र किया है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात बताया था कि विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई। हालांकि, उसने मंगलवार को बताया कि तीन और लोगों के दम तोड़ने से मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

थिंपू में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक और जनता को भारत की जनता की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

लाल किला विस्फोट : कार चलाने वाले पुलवामा के

डॉक्टर उमर नबी के संबंध आतंकवादी मॉड्यूल से थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/श्रीनगर/भाषा। पुलिस ने मंगलवार को लाल किला विस्फोट मामले की जांच एक संभावित आतंकवादी हमले के रूप में की और पुलवामा के एक डॉक्टर पर ध्यान केंद्रित किया जो विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार को चला रहा था।

पुलिस ने बताया कि पुलवामा के इस डॉक्टर का संबंध फरिदाबाद स्थित आतंकवादी मॉड्यूल से था, जिसका पर्दाफाश वहां से विस्फोटक बरामद होने के बाद हुआ था। माना जा रहा है कि सोमवार शाम हुए विस्फोट में डॉ. उमर नबी की मौत हो गई है। इस विस्फोट में कम से कम 12 लोग मारे गए थे। मंगलवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिया, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके।

श्रीनगर में एक अधिकारी ने कहा, हमने विस्फोट स्थल पर मिले अवशेषों का मिलान करने के लिए भी डीएनए नमूना लिया है।

गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद यह मामला राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दिया गया है। लाल किले पर सोमवार शाम को हुए विस्फोट से कुछ ही घंटे पहले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक ‘‘सफेदपोश’’ आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ था, जिसमें तीन डॉक्टर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया था। यह मॉड्यूल कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था।

सोमवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन सईद भी शामिल थे जो फरीदाबाद स्थित अल फला विश्वविद्यालय से जुड़े थे, जहां से 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया था।

आरएसएस की 100 साल की यात्रा बेहद सफल और अद्वितीय : कृष्ण गोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने मंगलवार को कहा कि आरएसएस की 100 साल की यात्रा बहुत सफल रही है और दुनिया में इसकी कोई मिसाल नहीं है।

गोपाल ने भारतीय विचार मंच की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू समाज का जीवन लक्ष्य सभी प्राणियों को ज्ञान प्रदान करना और उन्हें सभ्य बनाना है।

इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित अन्य गणमान्य हस्तियां भी शामिल हुईं।

गोपाल ने कहा, 100 वर्षों की यात्रा एक बहुत ही सफल यात्रा है, एक अनूठी यात्रा है, दुनिया में इसकी कोई मिसाल नहीं है। यह हिंदू समाज की ओर से स्वयं विकसित की गई यात्रा है। उन्होंने कहा, हर समाज के कर्तव्य और जिम्मेदारियां होती हैं, हर समाज का एक जीवन लक्ष्य होता है। हमारे हिंदू समाज का जीवन लक्ष्य सभी प्राणियों को ज्ञान प्रदान करना, उन्हें सभ्य बनाना है। केवल हम ही पूरी दुनिया को ‘वसुधैव कुटुंबकम’ के बारे में बता सकते हैं।

गोपाल ने कहा कि संघ चाहता है कि पूरा हिंदू समाज संगठित हो। उन्होंने कहा कि आरएसएस तब तक काम करता रहेगा, जब तक पूरे देश में ‘परम एकता’ हासिल नहीं हो जाती। गोपाल ने कहा, और जब तक यह लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता, तब तक जो कुछ भी करने की जरूरत है, आरएसएस को वह करना होगा। इसलिए हमें दो काम करते रहना है : पहला, अपनी शाखाओं का विस्तार करते रहें। 87,000 (शाखाओं) पर न रुकें... यह विस्तार जारी रहेगा। और दूसरा, समाज के सामने आने वाली हर समस्या को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास करते रहें और लोगों को अपने साथ लेकर चलें।

उन्होंने कहा कि आरएसएस संगठन की सर्वव्यापकता के साथ-साथ समाज की सभी समस्याओं का समाधान खोजने के लिए काम करता है।

इस्लामाबाद आतंकी हमले पर पाक के आरोपों को भारत ने सिरे से नकारा

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा इस्लामाबाद में हुए आतंकी हमले को भारत से जोड़ने वाले आरोपों को भारत ने मंगलवार को पूरी तरह निराधार बताकर अस्वीकार कर दिया है। भारत ने इसे पाकिस्तान के भ्रमित नेतृत्व की ओर से झूठी कहानियां गढ़ने की एक तयशुदा रणनीति करार दिया। पाकिस्तानी राजधानी में एक अदालत के बाहर हुए आत्मघाती हमले में 12 लोगों के मारे जाने के कुछ ही घंटों बाद शहबाज शरीफ ने इस वारदात में भारतीय समर्थन से सक्रिय समूहों के शामिल होने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत ऐसे निराधार आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान की एक पुरानी और आजमाई हुई चाल है कि वह अपने देश में जारी सैन्य-प्रेरित संवैधानिक उलटफेर और सत्ता पर कब्जे से अपने नागरिकों का ध्यान भटकाने के लिए भारत के विरुद्ध झूठी कहानियां गढ़े।

जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे जांच के निष्कर्ष : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत की अग्रणी जांच एजेंसियां दिल्ली विस्फोट मामले की तीव्र एवं गहन जांच कर रही हैं और इस घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास यातायात सिग्नल पर सोमवार शाम को धीमी रफ्तार से चल रही एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गयी थी। विस्फोट के कारणों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।

सिंह ने एक रक्षा सम्मेलन में कहा, ‘‘मैं अपने साथी नागरिकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि देश की अग्रणी जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘जांच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे। मैं देश को दृढ़ता से आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दी जाएगी और उन्हें किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।’’ रक्षा मंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ‘‘मैं इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह शोक संतप्त परिवारों को इस गहन दुख की घड़ी में शक्ति और सांत्वना प्रदान करें।’’

एनआईए को सौंपी गई लाल किला विस्फोट मामले की जांच

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने लाल किला विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) को सौंप दी है अब तक दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा इसकी जांच कर रही थी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर मंगलवार को हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया।

गिरफ्तार महिला डॉक्टर जैश-ए-मोहम्मद के संगठन का हिस्सा

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में एक महिला डॉक्टर भी शामिल थी। शुरुआती जांच के आधार पर अधिकारियों ने दावा किया कि वह प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद द्वारा पिछले महीने गठित जमात-उल-मोमिनात का हिस्सा थी। सोमवार को श्रीनगर ले जाने के बाद गिरफ्तार की गयी डॉ. शाहीन सईद पर आरोप है कि वह भारत में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) की महिला भर्ती शाखा का हिस्सा है। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि करीब 35 वर्षीय और फरीदाबाद स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय से जुड़ी डॉ. सईद पाकिस्तान में अपने आका के संपर्क में थी।

12-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे	13-11-2025 सूर्योदय 6:17 बजे
BSE 83,871.32 (+335.97)	NSE 25,694.95 (+120.60)
सोना 12,620 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 150,595 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कड़ी निंदा

आतंकी हमले पर नेता,
करते बहुत कड़ी निंदा।
फर्क नहीं पड़ता पर इससे,
जब तक आतंकी जिन्दा।
दर्द खून दहशत में जीता,
देश का हर इक वाशिंदा।
सुन-सुन कर थोथे बयान,
सारा अवाम है शर्मिंदा।।

हमें अपनी मजबूत, भरोसेमंद वैश्विक रेटिंग एजेंसी की जरूरत : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि जैसे-जैसे देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, हमें खुद का एक मजबूत, भरोसेमंद और विश्वस्तरीय रेटिंग संस्थान स्थापित करने की जरूरत है। गोयल ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचे के बावजूद, वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत की रेटिंग लंबे समय तक नहीं बढ़ाई। उन्होंने केयरएज के कार्यक्रम... ‘द डायलॉग में कहा, ‘‘जैसे-जैसे हम विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहे हैं, हमें अपनी मजबूत, विश्वसनीय और विश्वस्तरीय रेटिंग संस्थान स्थापित करने का लक्ष्य रखना चाहिए।’’

गोयल ने कहा कि विकास के चक्र में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा, ‘‘...निवेशक एजेंसी द्वारा दी गई रेटिंग को देखते हैं। इस आधार पर आप निवेश बढ़ाते हैं, आप व्यावसायिक विश्वास भी बढ़ाते हैं। यह व्यावसायिक भरोसा पूंजी प्रवाह और ऋण प्रवाह दोनों को बढ़ावा देगा। बैंक रेटिंग को एक महत्वपूर्ण मानदंड मानते हैं। ऋण दिया जाता है, उद्यमी या व्यवसाय रेटिंग से प्राप्त विश्वास के साथ बड़े और साहसिक कदम उठाते हैं और रोजगार सृजित होते हैं।’’ उन्होंने कहा कि प्राय: कुछ रेटिंग एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था में छोटी-मोटी गड़बड़ियों या बदलावों को भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती हैं।

गोयल ने कहा, ‘‘वे जो संकट के संकेत देते हैं, वे वास्तविकता से कहीं ज्यादा होते हैं और इसीलिए मैं केयरएज से भी आग्रह करता हूं कि वह निवेशकों, बैंक कर्मचारियों... की मदद करने में एक जिम्मेदार भूमिका निभाए।’’

बिहार एक्जिट पोल में राजग की जीत का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान के बाद आये एक्जिट पोल के नतीजों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) स्पष्ट बहुमत के साथ पुन: सत्ता में लौटता नजर आ रहा है। अगर ये नतीजे वास्तविक परिणाम में बदलते हैं तो राजग की स्थिति नयी विधानसभा में पहले से बेहतर हो सकती है।

चुनाव के वास्तविक 14 नवंबर को मतगणना के बाद सामने आयेंगे।

दूसरे चरण के मतदान के ठीक बाद मंगलवार को विभिन्न टीवी समाचार चैनलों पर प्रसारित आठ सर्वे कंपनियों द्वारा अलग अलग जारी एक्जिट पोल के सभी अनुमानों में सत्तारूढ राजग अच्छे अंतर के साथ जीत दर्ज करने जा रहा है। इन अनुमानों में राजग को 130 से 167 सीटों पर जीतता दिखाया जा रहा है।

कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाले महागठबंधन को 70 से 108 सीटों पर आगे दिखाया जा रहा है। इस चुनाव में बड़े जोर शोर से मैदान में उतरी राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को शून्य से 5 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।

मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विवाद की पृष्ठभूमि में हुए इस चुनाव में कुल 243 सीटों के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को मतदान हुआ। इसमें मतदाताओं ने हिस्सेदारी का नया रिकार्ड बनाया। पहले चरण में 121 सीटों पर 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि दूसरे चरण में आज 122 सीटों पर 68.76 प्रतिशत वोट पड़े। इस बार दोनों चरणों में रिकार्ड मतदान हुआ।

एक्जिट पोल एजेंसी पीपुल्स इनसाइट ने राजग को 133-148 सीटें दी हैं जबकि महागठबंधन को 87 से 102 सीटों पर जीतता हुआ दिखाया है।

चाणक्य स्ट्रेटजीज के सर्वे में राजग को 130-138 और महागठबंधन को 100-198 सीटें दी गयी हैं। जेवीसी ने राजग को 135-150 और विपक्षी महागठबंधन को 88-130 सीटें, पीमार्क ने राजग को 142-162 और महागबंधन को 80-98 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। मैट्राइज के एक्जिट पोल के अनुमानों के अनुसार सत्तारूढ राजग को 147-167 सीटें मिल सकती हैं और महागठबंधन की सीटों की संख्या 70 से 90 के बीच रहने का अनुमान है। डीबी रिसर्च ने राजग को 137-152 और महागठबंधन को 83-98 सीटें दी हैं। उसके सर्वे में प्रशांत किशोर की पार्टी को 2-4 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। इस चुनाव को राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो छह नवंबर को पहले चरण में हुए ‘रिकॉर्ड’’ 65.09 प्रतिशत मतदान से लगभग दो फीसदी अधिक है। अधिकारियों ने कहा कि कई मतदान केंद्रों पर शाम तक लंबी कतारें देखी गईं, इसलिए अंतिम मतदान प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है।

राज्य का मुस्लिम बहुल जिला किशनगंज इस चरण में सर्वाधिक मतदान वाले जिलों में शीर्ष पर रहा, जहां 76.26 फीसदी वोट पड़े। इसके बाद कटिहार (75.23 प्रतिशत), पूर्णिया (73.79 प्रतिशत), सुपौल (70.69 प्रतिशत) और अररिया (67.79 प्रतिशत) का स्थान रहा। ये सभी जिले नेपाल की सीमा से सटे कोसी-सीमांचल क्षेत्र में आते हैं, जो बाढ़ प्रभावित और अल्पसंख्यक बहुल आबादी वाले इलाके हैं। दक्षिण बिहार के जिलों में भी मतदान का प्रतिशत अधिक रहा। जमुई में 67.81 प्रतिशत, गया में 67.50 फीसदी और कैमूर में 67.22 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नवादा जिले में मतदान सबसे कम रहा, जहां शाम पांच बजे तक 57.31 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले।

यकीन नहीं हो रहा कि वह आतंकवादी गतिविधि में शामिल हो सकता है : विस्फोट के संदिग्ध का परिवार

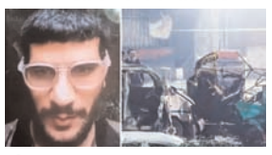

श्रीनगर/भाषा। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट में संलिप्त संदिग्ध व्यक्ति के परिवार ने कहा कि उसे विश्वास नहीं हो रहा है कि वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो सकता है। पुलिस के अनुसार डॉ. उमर नबी कथित तौर पर उस हुंडई आई20 कार को चला रहा था जिसका इस्तेमाल सोमवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए विस्फोट में किया गया था। डॉ. उमर नबी पुलवामा के कोइल गांव का रहने वाला है। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए इस विस्फोट में कम से कम 12 लोग मारे गए।

डॉ. उमर नबी की भाभी मुजम्मिल ने बताया कि वह बचपन से ही अंतर्मुखी था, उसके ज्यादा दोस्त नहीं हैं और वह पढ़ाई एवं काम पर ध्यान केंद्रित करता था। वह फ़रीदाबाद के एक कॉलेज में अध्यापक के तौर पर काम कर रहा था। उसने शुक्रवार को फ़ोन कर बताया था कि वह परीक्षाओं में व्यस्त है और तीन दिन बाद घर लौटेगा। वह बचपन से ही थोड़ा संकोची स्वभाव का था।'' मुजम्मिल ने कहा कि उमर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो। उन्होंने कहा, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत संघर्ष किया कि वह अच्छी तरह पढ़-लिख ले ताकि वह अपना और अपने परिवार का ख़याल रख सके।

दिल्ली विस्फोट : शाह ने दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के पास हुए विस्फोट के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों में सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए मंगलवार को दो समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अमित शाह ने सुबह एक बैठक की तथा दोपहर में एक दूसरी बैठक की अध्यक्षता की । सूत्रों ने बताया कि पहली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान शीर्ष अधिकारियों ने विस्फोट के बाद की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। सूत्रों ने बताया कि दोपहर की सुरक्षा समीक्षा बैठक में भी लगभग यही अधिकारी शामिल हुए।

गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच एनआईए को भी सौंप दी है। यह स्पष्ट संकेत है कि इस विस्फोट को सरकार ने आतंकवादी कृत्य माना है, क्योंकि एनआईए को केवल आतंकवादी मामलों की जांच करने का अधिकार है। इस धमाके में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। गृह मंत्री ने कहा है कि शीर्ष जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच कर रही हैं और वे घटना की तह तक जाएंगी।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में धमाका हुआ था। इस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए। धमाके की चपेट में आने कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

लाल किला के पास विस्फोट से पहले कार के 11 घंटे की यात्रा से संदिग्ध गतिविधि का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने उस हुंदै आई20 कार के 11 घंटे के रूट का पता लगा लिया है, जिसका इस्तेमाल लाल किला के पास विस्फोट में किया गया था। जांच से पता चला है कि वाहन हरियाणा के फरीदाबाद से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा था। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और टोल प्लाजा से प्राप्त आंकड़ों से जांच अधिकारियों को वाहन की गतिविधियों की विस्तृत समय-सीमा जानने में मदद मिली है। सूत्रों ने बताया कि कार का सफर सोमवार सुबह फरीदाबाद से शुरू हुआ और दिल्ली के कई हिस्सों से होते हुए सोमवार शाम करीब 6:52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट हुआ।

एक सूत्र ने बताया, कार को सबसे पहले सुबह करीब 7:30 बजे फरीदाबाद के एशियन अस्पताल के बाहर देखा गया। करीब 8:13 बजे इसने बदरपुर टोल प्लाजा पार किया और दिल्ली में प्रवेश किया। सुबह 8:20 बजे, ओखला औद्योगिक क्षेत्र के पास एक पेट्रोल पंप के पास से गुज़रती हुई गाड़ी की तस्वीर सीसीटीवी फुटेज में दर्ज हुई। जांच अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 3:19 बजे, कार लाल किला परिसर से सटे एक पार्किंग क्षेत्र में पहुंची, जहां वह कथित तौर पर लगभग तीन घंटे तक खड़ी रही। सूत्र ने बताया, शाम 6:22 बजे कार

दिल्ली धमाका : कार के पहले मालिक के मकान मालिक को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया

गुरुग्राम। दिल्ली में लाल किले के नजदीक जिस कार में धमाका हुआ था उसके पहले मालिक के मकान मालिक को पूछताछ के लिए पुलिस ने हिरासत में लिया है। उक्त मकान मालिक के परिवार ने मंगलवार को यह दावा किया। परिवार के मुताबिक कार का पहला मालिक मोहम्मद सलमान 2016 से 2020 तक उनका किराएदार था। इस बीच धमाके में घायल तीन और लोगों की मौत होने से मृतकों की कुल संख्या 12 हो गई है। दिल्ली और गुरुग्राम पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार शाम हरियाणा में पंजीकृत कार के पहले मालिक मोहम्मद सलमान को गुरुग्राम से हिरासत में लिया था। एक अधिकारी ने बताया कि सलमान ने डेढ़ साल पहले दिल्ली के ओखला निवासी देवेंद्र नामक व्यक्ति को अपनी कार बेची थी। बाद में, गाड़ी अंबाला में किसी और को बेच दी गई, और फिर पुलवामा के तारिक नामक व्यक्ति को वह कार बेची गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस सभी का पता लगा रही है। इस बीच, 2016 से 2020 तक सलमान के मकान मालिक रहे दिनेश के परिवार ने गुरुग्राम स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात की।

को पार्किंग क्षेत्र से निकलकर लाल किले की ओर जाते देखा गया। विस्फोट से पहले का यह 30 मिनट का समय अब हमारी जांच का मुख्य पहलू है। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वाहन के अंदर कौन था। गाड़ी के पार्किंग क्षेत्र से निकलने के बमुश्किल 24 मिनट बाद, शाम लगभग 6:52 बजे, जोरदार विस्फोट ने चलती कार को तहस-नहस कर दिया। विस्फोट से गाड़ी के परखच्चे उड़ गए, शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए, आस-पास की इमारतों और मेट्रो स्टेशन की खिड़कियां टूट गईं। विस्फोट से स्थानीय लोगों और पर्यटकों में दहशत फैल गई। पुलिस ने कहा कि वे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के आसपास से एकत्र सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं, ताकि कार की हर गतिविधि का पता लगाया सके और उसके संपर्क में आए किसी भी व्यक्ति की पहचान की जा सके। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि यही कार एक पेट्रोल पंप के बाहर भी देखी गई, जहां वह प्रदूषण प्रमाण पत्र लेने गई थी। सूत्र ने कहा, हमारी जांच जारी है। हमें पता चला है कि कार ने एक पेट्रोल पंप से प्रदूषण प्रमाणपत्र हासिल किया था, ताकि अगर पुलिस उसे सीमा के पास रोके, तो वह सभी दस्तावेज़ दिखा सके।

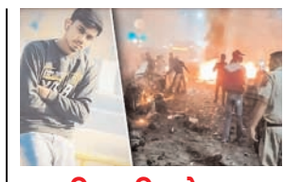

लालकिला विस्फोट : बारह मृतकों में टैक्सी चालक और सौंदर्य प्रसाधन की दुकान का मालिक शामिल

नई दिल्ली/मुजफ्फरनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के शामली जिले के अट्ठारह वर्षीय नोमान अंसारी अपनी दुकान के लिए सौंदर्य प्रसाधन खरीदने राष्ट्रीय राजधानी आया था और लालकिले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट में उसकी जान चली गई। शामली के झिंझाना कस्बे के रहने वाला नोमान अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था।

नोमान के रिश्तेदार फुरकान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''नोमान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका रिश्ते का भाई अमन घायल हो गया और उसका दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में इलाज जारी है।'' फुरकान ने बताया कि नोमान का परिवार उसका शव दफनाने के लिए राजधानी से ले जाने की तैयारी कर रहा है। पीड़ित के रिश्तेदार एवं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक दुकान में काम करने वाले सोनू ने कहा, ''आज सुबह-सुबह मेरे रिश्तेदार का फोन आया कि नोमान नहीं रहा और उन्होंने मुझे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचने को कहा।'' मृतकों में अमरोहा जिले के रहने वाले 34-वर्षीय अशोक कुमार भी शामिल हैं, जो दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में बतौर बस कंडक्टर कार्यरत थे। एक अन्य मृतक की पहचान 22-वर्षीय पंकज सहनी के रूप में हुई है, जो टैक्सी चलाता था।

दिल्ली विस्फोट को लेकर सरकार को स्पष्टता लानी चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में लाल किला के सामने हुए विस्फोट को लेकर सरकार की तरफ से स्पष्ट किए जाने की जरूरत है कि यह किस तरह की घटना है, क्योंकि लोगों में भय व्याप्त है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस को सामने आकर वैसी सूचनाएं साझा करनी चाहिए, जो साझा की जा सकती हैं, ताकि स्पष्टता आ सके। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''इस घटना को 18 घंटे गुजर गए हैं, अब भी हम और आप इसे धमाका बोल रहे हैं। इस बात को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है कि यह हमला था या क्या था। सरकार और दिल्ली पुलिस की तरफ से कोई स्पष्टता नहीं आ रही है।''

खेड़ा ने दावा किया कि ''लोगों के मन में भय और चिंता व्याप्त है, क्योंकि यह घटना देश की राजधानी में हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए स्पष्टता जरूरी है।'' उनका कहना था कि सरकार को सूत्रों पर ''आधारित'' चुनिंदा बातें सामने रखने की बजाय तथ्यों को सामने लाना चाहिए। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास यातायात सिग्नल पर सोमवार शाम को धीमी रफ्तार से चल रही एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गयी।

'हमने मौत को करीब से देखा': लाल किला विस्फोट के भयावह क्षणों को याद करते हुए घायलों ने कहा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार शाम हुए विस्फोट के बाद घटना के कुछ चश्मदीद इसके बारे में याद करते हुए सिहर जाते हैं। अस्पताल में बिस्तर पर लेटे राम प्रताप ने जोरदार विस्फोट के कर्णभेदी शोर को याद करते हुए कहा, लोग सड़क पर पड़े थे, कुछ खून से लथपथ थे, कुछ बिल्कुल भी हिल-डुल नहीं रहे थे। हर तरफ खून ही खून था। हमने मौत को करीब से देखा।

बिहार के रहने वाले और सड़क किनारे खाने-पीने की चीजों की दुकान चलाने वाले राम प्रताप उन लोगों में शामिल हैं, जो कल विस्फोट स्थल के पास ही थे और सौभाग्य से बच गए। विस्फोट में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। विस्फोट के बाद इलाके में धुआं भर गया और लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी। राम प्रताप अपनी दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे, तभी धमाका हुआ। अस्पताल में बिस्तर पर लेटे हुए उन्होंने कहा, यह भी और शामों की तरह ही थी। कुछ ग्राहक इंतज़ार कर रहे थे कि अचानक एक जोरदार धमाका हुआ। शोर इतना तेज़ था कि कुछ सेकंड तक मुझे कुछ भी सुनाई नहीं दिया। कांच के टुकड़े हम पर गिरे और घना धुआं चारों ओर फैल गया। अपने आंसुओं को रोकने की कोशिश करते दिख रहे राम प्रताप ने कहा, हर जगह खून ही खून था। मेरे अपने हाथ से भी बुरी तरह खून बह रहा था, लेकिन मुझे तब इसका एहसास भी नहीं हुआ। हमने मौत को बहुत करीब से देखा। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड के बाहर मौजूद उनके एक रिश्तेदार ने बताया कि वह विस्फोट के समय बस कुछ ही मीटर की दूरी पर खड़े थे।

'दिल्ली विस्फोट जैसे कृत्यों के लिए दिमाग में जहर घोलने वाले तत्वों को अलग-थलग किया जाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर ने मंगलवार को कहा कि लाल किले के पास विस्फोट जैसी घटनाओं को अंजाम देने के लिए लोगों के दिमाग में जहर घोलने वाले तत्वों को अलग-थलग किया जाना चाहिए और उनके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

शंकर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। ऐसे तत्व, जो लोगों के दिमाग में जहर घोलकर उन्हें इस तरह की हरकतें करने के लिए उकसाते हैं, उन्हें अलग-थलग कर दिया जाना चाहिए और उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।'' उन्होंने हालांकि देश के लोगों से शांति बनाए रखने और एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा, ''हम सभी एक हैं और एकजुट हैं, शांति बनी रहनी चाहिए एवं हम सभी को प्रगति के पथ पर चलना चाहिए।'' हाल में गिरफ्तार किए तीन कश्मीरी चिकित्सकों, जिनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ था, के बारे में पूछे जाने पर गुरु ने कहा कि उन्हें सही शिक्षा नहीं मिली है। उन्होंने कहा, ''उन्हें सही शिक्षा नहीं मिली है। मानवीय शिक्षा और शांति की शिक्षा की आवश्यकता है।'' शंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में काफी प्रगति हुई है।

लालकिला के पास विस्फोट के बाद लावारिस सामानों के बारे में आए कई फोन, कुछ संदिग्ध नहीं मिला

नई दिल्ली। लाल किले के पास हुए बम विस्फोट में 12 लोगों की मौत के कुछ घंटों बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को लावारिस वाहनों और बैगों के बारे में पांच फोनकॉल प्राप्त हुईं, जो बाद में झूठी निकलीं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

डीएफएस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट की खबर फैलते ही फ़ोन आने शुरू हो गए। डीएफएस अधिकारी ने बताया, पहला फोन रात 9.15 बजे बिजवासन से आया, जिसमें एक लावारिस बैग मिलने की सूचना थी। हमने तुरंत एक दमकल गाड़ी मौके पर भेजी, लेकिन कोई संदिग्ध चीज़ नहीं मिली। उन्होंने बताया कि कुछ ही मिनट बाद, रात 9.27 बजे, वसंत विहार से एक और फोन आया जिसमें एक लावारिस कार के बारे में बताया गया। दमकल गाड़ी को उस स्थान पर भेजा गया और जांच के बाद रात लगभग 10.15 बजे वापस लौट आई।

रात्रि 9.34 बजे द्वारका के सेक्टर 13 से भी सूचना मिली तथा उसके बाद रात्रि 9.35 बजे कश्मीरी गेट के पास से सूचना मिली। दोनों ही सूचना लावारिस कारों के संबंध में थी। अधिकारी ने बताया, आखिरी फोन सिग्नेचर ब्रिज, खजूरी खास से रात 10.01 बजे आया, जो एक लावारिस वाहन के बारे में था। वहां भी कुछ नहीं मिला। हालांकि, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय में प्रत्येक कॉल पर पूरी गंभीरता से ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की फोनकॉल लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद निवासियों में व्याप्त भय और बेचैनी की भावना को दर्शाती है। विस्फोट बाद लोगों की चिंता स्वाभाविक थी।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : अदालत ने एसआईटी जांच संबंधी पत्नी की याचिका पर पुलिस से जवाब मांगा

मुंबई/भाषा। मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को शहर पुलिस को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की पत्नी शहजीन सिद्दीकी की याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया। बाबा सिद्दीकी की पिछले साल अक्टूबर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और उनकी पत्नी ने इस मामले में एसआईटी जांच की मांग की थी। शहजीन ने पिछले हफ्ते दायर अपनी याचिका में कहा कि पुलिस असली दोषियों को पकड़ने में विफल रही है। उन्होंने अपने पति की हत्या के पीछे एक बिल्डर/डेवलपर और राजनीतिक सांठगांठ का आरोप लगाया है।

उन्होंने मांग की कि हत्या की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए। बाबा सिद्दीकी (66) की 12 अक्टूबर, 2024 की रात को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति आर आर भोंसले की पीठ ने मंगलवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) और संबंधित जांच अधिकारी को याचिका पर अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की सुनवाई 11 दिसंबर को करना तय किया। जीशान सिद्दीकी का बयान दर्ज किया गया था या नहीं, इस पर कुछ भ्रम होने के बाद अदालत ने पुलिस से अगली तारीख पर जांच की केस डायरी पेश करने को भी कहा। पुलिस ने दावा किया कि वह जीशान के संपर्क में थी, वहीं याचिकाकर्ता के वकील, प्रदीप घरत और त्रिवनकुमार करनानी ने कहा कि उनका बयान दर्ज नहीं किया गया था। उच्च न्यायालय ने पुलिस के मौखिक आश्वासन को खारिज करते हुए कहा, हमें केस डायरी दिखाएं। आप कहते हैं कि जीशान का बयान दर्ज किया गया है। वह कहते हैं कि यह अभी तक दर्ज नहीं किया गया है। केस डायरी दिखाकर पुष्टि करें। जब राज्य के विशेष लोक अभियोजक महेश मुले ने दलील दी कि ''पुलिस ने ''कई बार'' जीशान से संपर्क किया था और उनके पास दिखाने के लिए व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड हैं, तो पीठ ने टिप्पणी की, वह संपर्क में हैं या नहीं, हमें कोई मतलब नहीं। हमें कानूनी रूप से स्वीकार्य सबूत दिखाएं। यह एक अपराध की जांच है।'' शहजीन सिद्दीकी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि पुलिस ने जानबूझकर मामले में असली दोषियों को गिरफ्तार करने से परहेज किया है और दावा किया है कि हत्या का आदेश जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने पति की मौत के पीछे बिल्डर लॉबी और एक नेता के शामिल होने का पूरा संदेह है। इसी साल जनवरी में पुलिस ने आरोप पत्र दायर किया और उसमें अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी के तौर पर दिखाया गया।

तेलंगाना के कवि अंदे श्री का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के प्रसिद्ध कवि अंदे श्री का मंगलवार को हैदराबाद के घाटकेसर में पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंदे श्री का सोमवार को निधन हो गया था। वह कुछ समय से बीमार थे। राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उनकी अर्थी को कंधा दिया और श्रद्धांजलि स्वरूप अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उनके साथ कई मंत्री भी थे जिन्होंने कवि को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। रेड्डी से पहले कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ और अन्य नेताओं ने अंतिम यात्रा में भाग लिया।

विभिन्न दलों के नेता, प्रशंसक और शुभचिंतक अंतिम संस्कार में शामिल हुए और कवि की प्रशंसा में नारे लगाए। रेड्डी ने संवाददाताओं से बातचीत में अंदे श्री के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया और कहा कि राज्य सरकार केंद्र को पत्र लिखकर उनके लिए 'पद्म श्री' पुरस्कार की सिफारिश करेगी। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार ने पिछले साल केंद्र को पत्र लिखकर अंदे श्री के लिए पद्म श्री' पुरस्कार का अनुरोध किया था, लेकिन कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।'' उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों जी. किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार से इस प्रस्ताव का समर्थन करने का आग्रह किया। रेड्डी ने घोषणा की कि 'जय जय हे तेलंगाना' को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार अंदे श्री की स्मृति में एक पार्क भी बनाएगी और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी देगी। रेड्डी ने कवि की कृति 'निप्पुला वागु' को तेलंगाना के लोगों के वास्ते लड़ने वालों के लिए भगवद् गीता, बाइबिल एवं कुरान के समान ही 'मार्गदर्शक रचना'' बताया और कहा कि इसकी 20,000 प्रतियां प्रकाशित की जाएंगी और राज्य भर के पुस्तकालयों में वितरित की जाएंगी। तेलंगाना के प्रतिष्ठित राजकीय गीत जय जय हे तेलंगाना' के रचयिता अंदे श्री का सोमवार को 64 वर्ष की उम्र में हैदराबाद में निधन हो गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव और अन्य नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। किशन रेड्डी और कई नेताओं ने सोमवार को कवि को पुष्पांजलि अर्पित की।

जेबीएन स्वयं' वी कनेक्ट का प्रथम ऑफिस दर्शन कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जेबीएन वी कनेक्ट स्वयं' महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह ने अपने पाँचवें कार्यकाल का प्रथम ऑफिस दर्शन कार्यक्रम रिचमंड टाउन स्थित टैरो कार्ड रीडर एवं न्यूमरोलॉजिस्ट प्रज्ञा सेठी के निशांत कोरोनेशन ऑफिस में किया। कार्यक्रम में लेडीज विंग नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना और सहमंत्री सुमन रांका विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

प्रज्ञा शेट्टी ने अपने 11 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ टैरो और न्यूमरोलॉजी के माध्यम से जीवन में स्पष्टता, आत्मविश्वास और संतुलन पाने के उपाय साझा किए । उन्होंने बताया कि टैरो आत्मा का दर्पण है, जो व्यक्ति को भय से विश्वास और भ्रम से आत्मविश्वास की ओर ले जाता है।

इस आयोजन में 35 सदस्याएं उपस्थित थीं। रेफ़रल हेड लीला पितलिया, रेफ़रल लीड मीनू जैन एवं रेफ़रल सेक्रेटर संगीता जैन ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

दिल्ली में केरल के छात्रों पर हमले पर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने कहा, ''हमारा देश एक है''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने यहां केरल के दो छात्रों के साथ मारपीट की हालिया घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा, ''हमारा देश एक है''। इस घटना में लाल किले के पास केरल के दो छात्रों से कथित तौर पर पुलिस और स्थानीय लोगों ने मारपीट की, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर' किया और राज्य की पारंपरिक पोशाक पहनने के लिए उनका उपहास किया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि इस देश में लोगों को सांस्कृतिक और नस्लीय मतभेदों के कारण निशाना बनाया जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रथम वर्ष के दो छात्रों पर कथित तौर पर हमला किया गया, उन्हें हिंदी बोलने के लिए 'मजबूर' किया गया

और 'लुंगी' पहनने के लिए उनका उपहास किया गया। शीर्ष अदालत 2015 में पूर्वोत्तर के लोगों पर हुए कई हमलों के मद्देनजर दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के एक छात्र नीडो तानिया की मौत की घटना भी शामिल है। अदालत ने केंद्र को इस मामले में एक समिति गठित करने का निर्देश दिया था और कहा था कि समिति को नस्लीय भेदभाव, नस्लीय अत्याचार और नस्लीय हिंसा की घटनाओं में सख्त कार्रवाई करने के अधिकार दिए जाएंगे, और इस तरह के घृणा और नस्लीय अपराधों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। मंगलवार की सुनवाई के दौरान, केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने दलील दी कि एक निगरानी समिति पहले ही गठित की जा चुकी है और याचिका में कुछ भी शेष नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने इस दलील का विरोध किया और तर्क दिया कि पूर्वोत्तर के लोगों के साथ नस्लीय भेदभाव और बहिष्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसके बाद पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से कहा, हमने हाल में अखबार में पढ़ा कि केरल के एक व्यक्ति का दिल्ली में लुंगी पहनने पर मज़ाक उड़ाया गया। यह ऐसे देश में अस्वीकार्य है जहां लोग सद्भाव से रहते हैं। आपको इस बारे में ज़्यादा चिंतित होना चाहिए। हम एक देश हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने शीर्ष अदालत से कहा कि निगरानी समिति की बैठक हर तिमाही होनी चाहिए लेकिन नौ साल में केवल 14 बार उसकी बैठक हुई है। शीर्ष अदालत ने अब याचिकाकर्ता से केंद्र द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोहिमा युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

कोहिमा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को मंगलवार को श्रद्धांजलि देते हुए कोहिमा युद्ध स्मारक को साहस, बलिदान व प्रेरणा की पवित्र भूमि करार दिया। राष्ट्रमंडल युद्ध स्मारक आयोग के कोहिमा युद्ध कब्रिस्तान में नगालैंड सरकार की ओर से आयोजित द्वितीय विश्व युद्ध स्मृति दिवस पर बिरला ने कहा, इसी धरती पर हमारे सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान राष्ट्र की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी और अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। जब हम इस स्थान पर आते हैं, हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

दिल्ली विस्फोट

शिवकुमार ने केंद्र से अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि देश को आतंकवादी गतिविधियों को लेकर 'सावधान' रहने की जरूरत है। शिवकुमार ने कहा कि विस्फोट के संबंध में किसी भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में शामिल होने के लिए वह तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अभी ऐसा करने का समय नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने देश भर में शांति सुनिश्चित करने और लोगों के जीवन की रक्षा के लिए कदम उठाने की वकालत की। उन्होंने कहा, हमें देश की एकता, अखंडता, शांति और आतंकवादी गतिविधियों को लेकर सावधान रहना चाहिए।

शिवकुमार ने कहा, ''चाहे विस्फोट दिल्ली में हो या कहीं और, हमें सावधान रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में गृह मंत्री (जी परमेश्वर) सुरक्षा उपायों की समीक्षा कर रहे हैं और मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) ने भी आदेश दिए हैं। शिवकुमार ने कहा, देश भर में शांति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस पार्टी इस घटना की निंदा करती है और केंद्र सरकार से इसके पीछे के लोगों की गिरफ्तारी का आग्रह करती है।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह खुफिया विभाग की विफलता थी, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दोष देना समाधान नहीं है और आम लोगों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, किसी और समय दोषा मढ़े जाएंगे। अभी हमें लोगों की जान बचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

जेल में संदिग्ध आतंकवादी के मोबाइल इस्तेमाल की जांच एनआईए को सौंपी जानी चाहिए : आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मंगलवार को कहा कि यहां परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में एक संदिग्ध आतंकवादी द्वारा कथित तौर पर मोबाइल का इस्तेमाल किए जाने के मामले को विस्तृत जांच के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दिया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए कि संदिग्ध आतंकवादी फोन पर किसके संपर्क में था। उन्होंने सोमवार को दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट से जुड़े संदिग्ध और इस संदिग्ध आतंकवादी के बीच किसी तरह का संबंध होने का संदेह व्यक्त किया।

हाल ही में कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में कथित तौर पर कुख्यात अपराधियों और एक संदिग्ध आतंकवादी सहित विभिन्न कैदियों को स्मार्टफोन और निजी टेलीविजन सेट जैसी विशेष सुविधाओं का आनंद लेते हुए देखा जा सकता था। वीडियो सामने आने

के बाद विवाद पैदा हो गया। पिछले सप्ताह सामने आए वीडियो में कथित तौर पर कुख्यात अपराधियों को स्मार्टफोन का उपयोग करते हुए दिखाया गया था, जिसमें बलात्कार के आरोपी उमेश रेड्डी और एक संदिग्ध आतंकवादी- जुहाद हमीद शकील मन्ना शामिल था।

अशोक ने कहा, ''संदेह है कि दिल्ली में हुई घटना एक आतंकवादी घटना थी। इसकी पुष्टि होना अभी बाकी है और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने इस घटना के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। इसी बीच एक घटना सामने आई है जिसमें एक संदिग्ध आतंकवादी परप्पना अग्रहारा जेल में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता दिखाई दिया है।'' यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''इस बात की जांच होनी चाहिए कि परप्पना अग्रहारा जेल में बंद संदिग्ध आतंकवादी का दिल्ली विस्फोट के अपराधियों से कोई संबंध है या नहीं। क्या वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इसमें शामिल था? यह बहुत महत्वपूर्ण है। इस कोण से भी जांच होनी चाहिए। जांच एनआईए को सौंपी जानी चाहिए।''

अशोक ने संदेह व्यक्त करते हुए कहा, ''वह फोन पर किससे बात कर रहा था? उसे फोन किसने दिया? इसके पीछे कौन है? यह सब सामने आना चाहिए। यह देशद्रोह का कृत्य है और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।'' चिकित्सकों और अन्य उच्च शिक्षित लोगों के आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने का उल्लेख करते हुए, भाजपा नेता ने दिल्ली विस्फोट की घटना का हवाला दिया और कहा कि वे ''हाई-टेक आतंकवादी'' हैं और उनके प्रति अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा एक विशेष समुदाय का तुष्टीकरण ही इन सबका मूल कारण है।

''इस बात की जांच होनी चाहिए कि जेल में बंद संदिग्ध आतंकवादी का दिल्ली विस्फोट के अपराधियों से कोई संबंध है या नहीं। क्या वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इसमें शामिल था? यह बहुत महत्वपूर्ण है। इस कोण से भी जांच होनी चाहिए। जांच एनआईए को सौंपी जानी चाहिए।''

- आर. अशोक

बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में पार्टी करने पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में विचाराधीन चार कैदियों का कारागार के बैरक में नाचते और प्रतिबंधित वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर कई बार पोस्ट किए जाने के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला परप्पना अग्रहारा स्थित बेंगलूरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक इमामसाब म्यागेरी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया।

अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि वीडियो में कार्तिक उर्फ जीत्रे पैट्रिक, धनंजय उर्फ रेणुकाप्रसाद, मंजूनाथ वी उर्फ कोली मांजा और चरण राव बी को जेल के बैरक-आठ, कमरा-सात के अंदर नाचते हुए देखा जा सकता है। शिकायत के अनुसार नौ नवंबर 2025 को कई टेलीविजन चैनल ने फुटेज प्रसारित किया जिसमें विचाराधीन कैदियों का एक समूह जेल परिसर के अंदर नाचते हुए दिखायी दे रहा है। म्यागेरी ने कहा, कैदियों को जेल के अंदर प्रतिबंधित वस्तुओं का उपयोग करते देखा गया।

सूत्रों ने दावा किया कि वे जेल के अंदर शराब पी रहे थे और मांसाहारी भोजन कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने जेल के सहायक अधीक्षक के साथ म्यागेरी को निलंबित कर दिया है, जबकि बेंगलूरु केंद्रीय कारागार के मुख्य अधीक्षक के. सुरेश का तबादला कर दिया है। लीक हुए वीडियो में कथित तौर पर एक संदिग्ध आतंकवादी, कई बलात्कार मामलों का आरोपी और सोने का तस्कर मोबाइल फोन के साथ दिखायी दे रहे हैं। भाजपा ने इस सिलसिले में सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रियंक खरगे ने अमित शाह को 'सबसे अक्षम गृह मंत्री' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर खुफिया विफलता का आरोप लगाते हुए मंगलवार को अमित शाह को स्वतंत्र भारत का ''सबसे अक्षम गृह मंत्री'' बताया और उनके इस्तीफे की मांग की। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम को एक यातायात सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में उच्च तीव्रता का विस्फोट हुआ जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। खरगे ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्र की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा, ''और कितने लोग मारे जाएंगे।'' कांग्रेस नेता ने देश भर में हुई विभिन्न आतंकवादी घटनाओं का हवाला दिया और अमित शाह के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की।

खरगे ने कहा, ''अमित शाह स्वतंत्र भारत के सबसे अक्षम गृह मंत्री हैं और कितने लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ेगी? दिल्ली, मणिपुर, पुलवामा, पहलगाम, क्या हमारे पास जवाब हैं? गृह मंत्री होने के नाते वह चुनावी मंच पर जाते हैं और कहते हैं कि बांग्लादेशी भारत में घुसपैठ कर रहे हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इसके लिए विपक्ष जिम्मेदार है?'' उन्होंने कहा, ''कोई जवाबदेही नहीं है। उन्हें (शाह को) अक्सर आधुनिक सरदार पटेल कहा जाता है और बार-बार 56 इंच के सीने का दावा किया जाता है। और कितने लोगों की जान जाने के बाद वह इस्तीफा देंगे?'' खरगे ने कहा, ''मोदी अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई करने से क्यों डर रहे हैं? क्या उन्हें डर है कि उनके गुजरात के राज सबके सामने आ जाएंगे? हर चीज की एक सीमा होती है, वे लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। किसी और देश में ऐसा होता तो गृह मंत्री अब तक इस्तीफा दे चुके होते। और कितने लोग मारे जाएंगे? यह खुफिया तंत्र की विफलता है... उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।''

खरगे ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा, ''वे आरएसएस-देशभक्त कहां हैं? उन्हें सीमा पर भेज दो। वे बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, इस स्थिति में उनके पास कहने के लिए क्या है?... आधुनिक सरदार पटेल' कहां हैं? उन्हें जवाब देना चाहिए।''

गगनयान मिशन : इसरो ने मुख्य पैराशूट पर अहम परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को कहा कि उसने तीन नवंबर को उत्तर प्रदेश के झांसी में बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में गगनयान चालक दल मॉड्यूल के लिए मुख्य पैराशूट पर एक महत्वपूर्ण परीक्षण किया जो सफल रहा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह परीक्षण गगनयान मिशन के लिए पैराशूट प्रणाली की योग्यता के लिए चल रहे परीक्षणों का हिस्सा है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य तीन सदस्यों वाले दल को तीन दिन के मिशन पर अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। इसरो ने एक बयान में कहा कि गगनयान चालक दल मॉड्यूल के लिए, पैराशूट प्रणाली में भिन्न-भिन्न चार प्रकार के कुल 10 पैराशूट शामिल किए गए हैं।

महिला ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 6.89 लाख रुपये के सोने के गहने और नकदी लूटी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में 26 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर से एक महिला ने कथित तौर पर उसके सोने के आभूषण और 6.89 लाख रुपये की नकदी लूट ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की महिला से करीब दो महीने पहले एक डेटिंग ऐप के जरिए मुलाकात हुई थी और कुछ दिन बातचीत करने के बाद वे एक नवंबर को इंदिरानगर स्थित एक भोजनालय में मिले। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक साथ समय बिताने और भोजनालय में शराब पीने के बाद महिला ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर से यह कहकर रात के लिए होटल में कमरा बुक करने को कहा कि बहुत देर हो चुकी है इसलिए वह अपने पेइंग गेस्ट आवास पर लौट नहीं पाएगी। उन्होंने बताया कि होटल में चेक-इन करने के बाद दोनों ने ऑनलाइन खाना ऑर्डर किया और महिला ने कथित तौर पर पानी में बेहोश करने वाली कोई दवा मिलाकर उसे दे दी जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गया। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि स्थिति का फायदा उठाते हुए महिला ने उसके सोने के आभूषण और 6.89 लाख रुपये की नकदी लूट ली, जिसमें सोने का कंगन और चेन भी शामिल है। कुछ घंटों बाद जब उसे होश आया तो उसने पाया कि महिला उसका कीमती सामान लेकर फरार हो गयी है। इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि इंदिरानगर थाने में उसकी शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत चोरी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी महिला की पहचान कर ली गई है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कलबुर्गी में बाइक-लॉरी की टक्कर में दो लोगों की मौत

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। कर्नाटक के कलबुर्गी में मंगलवार सुबह दोपहिया वाहन और एक टिपर लॉरी की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जिले के कोल्लूर गांव के रहने वाले शरणबसप्पा (32) और बगन्ना (30) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सरकारी स्कूल के शिक्षक शरणबसप्पा, बगन्ना के साथ दोपहिया वाहन से जेवरगी से कलबुर्गी जा रहे थे कि तभी फरहताबाद के पास यह दुर्घटना हुई।

पुलिस के एक अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि दोपहिया वाहन की टिपर लॉरी से टक्कर हो गई, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि लॉरी चालक सुरक्षित बच गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

जौहरी से धोकाधड़ी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में गहनों की एक दुकान के मालिक से सोने के आभूषण बेचने के बहाने धोखाधड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के पास से 1.60 करोड़ रुपये मूल्य की 1.3 किलोग्राम सोने की छड़ें जब्त की गईं। नगरथपेट के एक जौहरी हर्षित पद्मावती जैन शोरूम द्वारा आठ सितंबर को हलसुरु गेट थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद जांच शुरू हुई। पुलिस ने बताया कि शिकायत में कहा गया कि दो ज्ञात व्यक्ति 28 जुलाई से चार सितंबर के बीच सोने के गहने बेचने के लिए ले गए, लेकिन न तो उन्हें लौटाया और न ही बिक्री की रकम चुकाई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न सुरागों और मुखबिरों से मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर 28 अक्टूबर को नेहरू नगर, शेषाद्रिपुरम स्थित उनके आवास के पास से दो संदिग्धों धीरन साकरिया (33) और राजेन्द्र कुमार (63) को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

आरोपियों ने आभूषणों को पिघलाकर उन्हें सोने की छड़ों में बदल दिया था और अपने घर पर रख लिया था। अधिकारी ने बताया, इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच नवंबर को आरोपी के घर की तलाशी ली और 1.60 करोड़ रुपये मूल्य का 1.3 किलोग्राम सोना जब्त किया।

केएससीए अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे वेंकटेश प्रसाद

कुंबले और श्रीनाथ ने किया समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के आगामी चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए चुनौती पेश करेंगे और उनके पैनल को अनिल कुंबले तथा जवागल श्रीनाथ जैसे दिग्गजों का समर्थन मिला है। केएससीए के चुनाव 30 नवंबर को होने हैं। रघुराम भट्ट के नेतृत्व वाली पिछली समिति का कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त हो गया था। अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने के लिए आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में प्रसाद ने कहा, मैं अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ूंगा। हमें चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट की वापसी करानी है और इसके लिए हमें एक ऐसा प्रशासन चाहिए जो पीछे से नियंत्रित नहीं हो।

उनके पैनल से चुनाव लड़ने वाले अन्य प्रमुख नामों में पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुजीत सोमसुंदर (उपाध्यक्ष), अनुभवी प्रशासक विनय मृत्युंजय (सचिव), एवी शशिधर (संयुक्त सचिव), मधुकर (कोषाध्यक्ष) और कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अविनाश वैद्य (बेंगलूरु क्षेत्र से संस्थागत सदस्य) शामिल हैं। सोमसुंदर ने राज्य संघ के चुनाव लड़ने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के शिक्षा प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। सोमसुंदर ने कहा, मेरा जवाब बहुत सामान्य है - मेरे लिए उद्देश्य बड़ा था इसीलिए मैं यहां आया। मैंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कई साल बिताए हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं देख सकता था कि हमारे राज्य में क्रिकेट का अपना पारिस्थितिकी तंत्र अपनी दिशा खो रहा था। यह पद या शक्ति की बात नहीं है। मुझे लगता है कि यह गौरव बहाल करने की बात है।''

प्रसाद ने कहा कि उनका पैनल 2010-2013 के बीच के उस समय को दोहराने की कोशिश करेगा जब कुंबले के नेतृत्व वाले प्रशासकों ने राज्य क्रिकेट को भारी बढ़ावा दिया था। उन्होंने कहा, यही वह समय था जब मैं उपाध्यक्ष था, अनिल कुंबले अध्यक्ष थे और जवागल श्रीनाथ सचिव थे। ये केवल तीन साल थे जब हमने किसी को भी नियंत्रण बनाने या पीछे से इस संघ को चलाने की अनुमति नहीं दी - ''बैकसीट ड्राइविंग सिंड्रोम।''

प्रसाद ने कहा, हमने ऐसा नहीं होने दिया और तभी क्रिकेट फला-फूला, क्रिकेट का बुनियादी ढांचा फला-फूला। अब मुझे बुनियादी ढांचे को देखकर दुख होता है। हमें इसे बदलने की जरूरत है और यही हमारा प्रयास होगा। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच कुंबले को उम्मीद है कि अगर नए प्रशासकों का चयन होता है तो वे बदलाव ला सकते हैं। कुंबले ने कहा, हम यहां इसलिए हैं क्योंकि हमें लगा कि कर्नाटक क्रिकेट मुश्किल में है और हम यहां बदलाव लाना चाहते हैं और यही कारण था कि हम 15 साल पहले भी प्रशासन में आए थे। उन्होंने कहा, अब ऐसा लगता है कि उन तीन वर्षों में जो कुछ भी हुआ वह सब कुछ उलट गया है और वह भी उस समय जब हम संघ से दूर थे। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा कि कर्नाटक क्रिकेट का गौरव वापस लाना जरूरी है। कुंबले ने कहा, चार जून (आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़) हम सभी के लिए एक कलंक था। हमें वाकई बहुत दुख हुआ है और हम उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपनी जानें गंवाईं। इसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन मुझे लगता है कि कर्नाटक क्रिकेट का गौरव फिर से बरकरार किया जा सकता है। रणजी ट्रॉफी के मामले में कर्नाटक सिर्फ मुंबई के बाद दूसरे स्थान पर था और यह गौरव पिछले कुछ वर्षों में खो गया है।

सीएसआईआर-पारंपरिक ज्ञान अंकीय पुस्तकालय इकाई
(डी.एस.आई.आर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय का स्वायत्त निकाय)
14, सत्संग विहार मार्ग, नई दिल्ली-110067
दूरभाष: 011-26851136; ई-मेल: tkdlsupport@csir.res.in
विज्ञापन संख्या-TKDL/02/2025 (Revised)

योग्य उम्मीदवारों से "Digitization of Indian Traditional Practices on Minerals, Metals, Materials and Allied Areas" (HCP522403) and "Digitization of Traditional Agricultural Practices of India" (HCP522401) परियोजनाओं में पूरी तरह से अस्थायी स्टाफ हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं । पद, डोमेन क्षेत्र और पदों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है।

Sl. No.	Project Code	Position(s)	Domain area	No. of position(s)
1.	HCP522403	Project Associate-I	Material Science	1
2.	HCP522403	Project Associate-I	Sanskrit	1
3.	HCP522401	Project Associate-II	Agriculture	1
4.	HCP522401	Senior Project Associate	Sanskrit	1

विस्तृत विज्ञापन सीएसआईआर की website www.csir.res.in पर उपलब्ध है।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि Sl. No. 1-3 के लिए: 19th November 2025

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि Sl. No. 4 के लिए: 28th November 2025

उप-सचिव
cbc36202/11/0025/2526 सीएसआईआर-टीकेडीएल इकाई

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया 8 सीसी सड़कों का लोकार्पण

सभी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्ष-2024-25 की बजट घोषणा के तहत पाली जिले के तख्तगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में 8 करोड़ रुपए की लागत से बनी कुल 8 सीसी सड़कों का सोमवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने लोकार्पण किया।

इस दौरान कुमावत ने कहा कि सड़क विकास, सुविधा और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है। इन सीसी सड़कों के निर्माण हो जाने से स्थानीय लोगों को जल जमाव तथा कीचड़ से छुटकारा मिलेगा और आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि करोड़ रुपए की लागत से करीब 1.66 किमी. लंबी कुल 8 सीसी सड़कें बनाई गई हैं।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री कुमावत ने जिले की तख्तगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना 2.0 के तहत कुल 117 लाभार्थियों को 50-50 हजार रुपए की राशि के चेक भी वितरित किए। साथ ही उन्होंने नगरपालिका की ओर से जारी किसान सेवा केंद्र का पट्टा भी सहायक कृषि अधिकारी को सौंपा।

कार्यशाला

निदेशालय महिला अधिकारिता द्वारा राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 के अन्तर्गत जेण्डर संवेदनशीलता विषय पर विकसित मॉड्यूल पर विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों तथा प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षकों के आमुखीकरण हेतु मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ह0च0मा0रीपा परिसर जयपुर में किया गया। यूनीसेफ के तकनीकी सहयोग एवं कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान के माध्यम से विकसित इस मॉड्यूल पर आमुखीकरण हेतु कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षक/प्रतिनिधि सम्मिलित हुये। कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों व यूनीसेफ राजस्थान की प्रतिनिधि श्रीमती मंजरी पंत द्वारा राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 में सम्मिलित जेण्डर संवेदनशील वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से जेण्डर संवेदनशीलता के सन्दर्भ में राजस्थान की वर्तमान स्थिति तथा इसकी पूर्ति हेतु विभाग द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों के साथ इस मॉड्यूल पर पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया गया। कार्यशाला में यूनीसेफ की सहयोगी संस्थान के द्वारा मॉड्यूल के अन्तर्गत सम्मिलित विभिन्न अध्यायों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। श्रीमती नीतू राजेश्वर, आयुक्त, महिला अधिकारिता द्वारा बताया गया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में जेण्डर के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ावा देना है। यह मॉड्यूल एक ऐसे समाज की कल्पना करता है, जहाँ किसी भी प्रकार का कोई भी लैंगिक भेदभाव न रहे और हर व्यक्ति अपनी इच्छाओं और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने में सक्षम हो, ताकि समाज जेण्डर समानता की ओर अग्रसर हो सके।

अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक हुआ और अनुमानित मतदान 80.32 प्रतिशत रहा।

इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,28,264 मतदाता हैं, जिनमें 1,16,783 पुरुष और 1,11,477 महिलाएं शामिल हैं। मतगणना 14 नवंबर को होगी।

निर्वाचन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हुआ। सभी 268 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। यहां मतदान दलों ने मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व पोलिंग एजेंट की मौजूदगी में ईवीएम पर 'मॉक पोल' का प्रदर्शन किया।

कई मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही बड़ी संख्या में मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। कई स्थानों पर मतदाताओं ने लम्बी कतारों में धैर्य के साथ खड़े रहकर मताधिकार के लिए अपनी बारी का इंतजार किया। उम्रदराज, दिव्यांगजन और महिला मतदाता भी वोट डालने में पीछे नहीं रहे। वहीं पहली बार मताधिकार का उपयोग कर रहे नव मतदाता पूरे जोश के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे।

कई महिला-पुरुष परंपरागत वेशभूषा में लोकतंत्र के पर्व में शामिल होने के लिए पहुंचे। मतदाता मतदान केन्द्र की साज-सज्जा देखकर अभिभूत रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि अंता में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। उन्होंने कहा, अंता में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। मतदाताओं ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच भयमुक्त वातावरण में अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान के दौरान सुरक्षा को लेकर कड़े बन्दोबस्त किए गए थे।' उन्होंने कहा कि सभी चुनाव अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस बल के जवानों, स्वयंसेवी संस्थाओं आदि ने चुनाव से संबंधित अपने दायित्वों का कुशलता से निर्वहन करते हुए लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाया।

चुनाव पर्यवेक्षक सुभाशी नंदा ने विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान कार्य का निरीक्षण किया तथा मतदान दल के कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उदयपुर में कृषि व पशुपालन उद्यमिता पर नेशनल कांफ्रेन्स का शुभारंभ

महिलाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाकर ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजीविका (राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद), केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कृषि व पशुपालन उद्यमिता पर उदयपुर में आयोजित हो रही तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेन्स का कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मंगलवार को शुभारंभ किया। कार्यशाला में देशभर से विषेषज्ञ, नीति निर्माता, उद्यमी तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़े लोग कृषि ,पशुधन और उद्यमिता से ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने को लेकर मंथन कर रहे हैं।

कार्यशाला में डॉ.किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए केंद्र व राज्य सरकारं निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण विकास एवं राजीविका विभाग की पूरी बागडोर महिला अधिकारियों को सौंप कर सकारात्मक संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखपति दीदी कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में महिलाओं को सशक्त बनाने की

दिशा में ठोस पहल की है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना महिला सशक्तीकरण से ही सार्थक होगी।

डॉ. मीणा ने कहा कहा कि राजीविका का उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक उन्नति के लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन करना है। राज्य में 50.69 लाख ग्रामीण परिवारों को 4.25 लाख स्वयं सहायता समूहों, 31 हजार ग्राम संगठन एवं 1074 सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) से जोडकर उन्हें वित्तीय सहायता एवं प्रशिक्षणों के माध्यम से उनकी आजीविका बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं। आजीविका संवर्धन के अन्तर्गत लगभग 39.38 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं। राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रू. 2099.95 करोड़ रूपये आजीविका संवर्धन हेतु एवं . 10342.96 करोड़ रूपये बैंक ऋण दिया गया है। महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की ऑनलाइन मार्केटिंग व बिक्री बढ़ाने के लिए जैम, अमेजन, फ्लिपकार्ट, ई-सरस का उपयोग किया जा रहा है।

डॉ. मीणा ने कहा कि 7037 महिला बिजनेस कॉरेस्पोडेंस द्वारा गाँवो में डोर स्टेप बैंकिंग सर्विस पहुंचायी जा रही हैं जिसमें खाते खोलना, रकम निकासी एवं जमा करना इत्यादि गतिविधियां शामिल हैं। विभिन्न जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर 254 कैंटीन प्रारम्भ की गई हैं, जिनका संचालन राजीविका की महिलाओं द्वारा किया जा रहा हैं।

खरीफ फसल को हुए नुकसान की भरपाई के लिए कृषि अनुदान मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान सरकार ने इस वर्ष अतिवृष्टि से खरीफ फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए कृषि अनुदान मंजूर किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार इसके तहत 31 जिलों के 50 लाख से अधिक किसानों एक हजार करोड़ रुपए मिलेंगे।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अनुदान वितरण की स्वीकृति दी है।

इसके तहत प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि अनुदान वितरित करने की मंजूरी दी गई है। राज्य के 31 जिलों में प्रभावित गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है।

बयान के अनुसार इन जिलों के 50 लाख से अधिक किसानों को एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि राहत के रूप में मिलेगी।

शर्मा ने सभी जिला कलेक्टर को सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी कर यथाशीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान में कई जगह शीतलहर चलने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है और मौसम विभाग ने तापमान में और गिरावट होने तथा कई इलाकों में शीतलहर चलने की चेतावनी दी है।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा तथा न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट होगी।

इससे राज्य में आगामी दो दिन 11 एवं 12 नवम्बर को टोंक जिले के साथ ही सीकर जिले में अगले पांच दिन तक शीतलहर चलने की संभावना है।

वहीं सोमवार रात फतेहपुर (सीकर) में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

परीक्षण में 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा (राजस्थान)/भाषा। स्वदेशी तकनीक से निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में गति परीक्षण के दौरान 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। रेलवे अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह उपलब्धि भरी और खाली दोनों परिस्थितियों में हासिल की गई। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की दूसरी 'रेक' (संस्करण-दो, 16 कोच) का परीक्षण अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ के परीक्षण निदेशालय दल ने दो नवंबर से किया।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह 908 टन भार के साथ 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार प्राप्त करने के बाद सोमवार को 800 टन के खाली 'रेक' पर भी परीक्षण सफल रहा।

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह उपलब्धि 'मिशन रफ्तार' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस दौरान इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) चेन्नई, मेधा सर्वो ड्राइव्स लिमिटेड और फेवले इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक सौरभ जैन ने एक बयान में बताया कि रोहलखुर्दइंद्रगढ़कोटा खंड पर किए गए इस परीक्षण में 100 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इस दौरान ट्रेन ने अधिकतम गति प्राप्त करने के साथ दो अन्य प्रमुख तकनीकी परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरे किए।

उन्होंने कहा कि इन परीक्षणों का उद्देश्य उच्च गति पर ट्रेन की स्थिरता, सुरक्षा सहित अन्य पहलुओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन करना था। यह उपलब्धि भारतीय रेल की तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में एक और सशक्त कदम है।

राजस्थान में 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' 24 नवंबर से का आयोजन

जयपुर/भाषा। पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) का आयोजन 24 नवम्बर से पांच दिसंबर तक राजस्थान में होगा। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान में इन खेलों का आयोजन पहली बार हो रहा है। ये खेल राज्य के सात शहरों अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा एवं जोधपुर में होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार इन खेलों के सफल आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित कर रही है। सभी संभागों में इस संबंध में जिला प्रशासनों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर दिया गया है। साथ ही, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद में भी इस संबंध में समितियों का गठन कर खेलों के भव्य आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

वर्तमान समय में निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ

- निजी क्षेत्र में रोजगार अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एच.आर. कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन
- उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय एवं सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, जयपुर एवं सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में एक दिवसीय एच.आर. कॉन्क्लेव 2025 का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नरेश गोयल रहे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में अरूण अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष, फोर्टी राजस्थान; जगदीश सोमानी, अध्यक्ष, वी.के.आई. एसोसिएशन; तथा अनाम कुमार, संस्थापक, वर्ल्ड ग्रोथ फोरम ने अपने विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि नरेश गोयल ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के निदेशक अरूणांशु हलदर ने कहा कि वर्तमान समय में निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन शिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत के मध्य संवाद स्थापित करने का सेतु बनते हैं।

उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने एच.आर. कॉन्क्लेव 2025 की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की कार्ययोजना के तहत रोजगार विभाग समय-समय पर कैंपस प्लेसमेंट एवं रोजगार मेलों का आयोजन कर बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निजी संस्थानों एवं रोजगार विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

कॉन्क्लेव के दौरान आई.टी., मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, सेल्स/मार्केटिंग, जेम्स एंड ज्वैलरी, होटल, हॉस्पिटल, फाइनेंस, बैंकिंग, इंजीनियरिंग एवं इंश्योरेंस जैसे प्रमुख क्षेत्रों के भर्त्ता मैनेजरों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सुझाव एवं अनुभव साझा किए।

राजस्थान के औद्योगिक विकास में

'राइजिंग राजस्थान समिट' साबित होगा मिल का पत्थर : मनसुख मांडवीया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया की अध्यक्षता में शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय श्रम एवं रोजगार सम्मेलन में देशभर के श्रम रोजगार और उद्यमिता मंत्रियों ने भाग लिया।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान की ओर से शामिल हुए उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'राइजिंग राजस्थान समिट' के माध्यम से एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके माध्यम से राज्य में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं, जिसके जरिए आने वाले समय में नए उद्योगों का बड़ा निवेश राजस्थान में होगा। उन्होंने कहा कि यह समिट राजस्थान के औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। मंत्री विश्नोई ने कहा कि राजस्थान अब देश के सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रदेश के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के चहुंमुखी विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में भी सतत प्रयास कर रही है ताकि विकसित राजस्थान के साथ स्वस्थ राजस्थान के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सके।

उल्लेखनीय की इस सम्मेलन में 'विकसित भारत 2047' के विजन को आगे बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक रणनीतियों, नीति अभिसरण और समावेशी कार्यबल विकास पर विशेष चर्चा हो रही है। सम्मेलन के दौरान भारत के रोजगार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से नवीन विचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और सहयोगात्मक दृष्टिकोणों को साझा किया जा रहा है।

समारोह

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा, राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक और जन-जन के उत्साह के स्रोत राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को राजस्थान हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय में विशेष कार्यक्रम 'वन्देमातरम150' एवं स्वदेशी संकल्प समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के उन प्रेरणादायी मूल्यों को स्मरण करना था, जिन्होंने भारतीय जनमानस में स्वाभिमान, एकता और आत्मनिर्भरता की भावना को जागृत किया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इस अवसर पर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम' का संगठित गायन किया। पूरे परिसर में देशभक्ति की तरंगें प्रतिध्वनित होती रहीं। इस अवसर पर सभी ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण तथा स्थानीय उत्पादों के सम्मान का संकल्प लिया।

मोदी ने भारत और भूटान के बीच 'ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी' बढ़ाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थिंपू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और भूटान सिर्फ सीमाओं से ही नहीं, बल्कि संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और संपर्क (कनेक्टिविटी) बढ़ाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा।

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत-भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण-प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी इसी दूरदर्शी नींव ने भूटान को दुनिया का पहला ''कार्बन-निगेटिव'' देश बनने में सक्षम बनाया है जो

असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रति व्यक्ति नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भूटान विश्व के शीर्ष देशों में से एक है और वर्तमान में अपनी 100 प्रतिशत बिजली का उत्पादन नवीकरणीय स्रोतों से करता है। उन्होंने कहा कि इस क्षमता का और विस्तार करते हुए आज 1,000 मेगावाट से अधिक की एक नयी जलविद्युत परियोजना का आरंभ किया जा रहा है जिससे भूटान की जलविद्युत क्षमता में 40 प्रतिशत वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त, लंबे समय से रुकी एक और जलविद्युत परियोजना पर भी काम फिर शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी केवल जलविद्युत तक ही सीमित नहीं है। भारत और भूटान अब सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी एक साथ बड़े कदम उठा रहे हैं। आज इससे जुड़े अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भूटान, भूटान के शाही परिवार और विश्व शांति में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए बहुत अहम है। उन्होंने भारत और भूटान के बीच सदियों से चले आ रहे गहन आत्मीय और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख किया और कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाग लेना भारत की और उनकी अपनी प्रतिबद्धता थी। प्रधानमंत्री ने पूर्व नरेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका जीवन ज्ञान, सादगी, साहस और राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा का संगम है। उन्होंने कहा, ''भारत और भूटान, सिर्फ सीमाओं से नहीं, संस्कृतियों से भी जुड़े हैं। हमारा रिश्ता मूल्यों, भावनाओं, शांति और प्रगति से भी जुड़ा है।''

मोदी ने कहा, ''वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद, मुझे अपनी पहली विदेश यात्रा में, भूटान आने का अवसर मिला था। मैं आज भी, उस यात्रा को याद करता हूं तो मन भावनाओं से भर जाता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत और भूटान के संबंध इतने सशक्त और समृद्ध हैं। हम मुश्किलों में भी साथ थे, हमने चुनौतियों का सामना भी मिलकर किया, और आज जब हम प्रगति की, खुशहाली की तरफ चल पड़े हैं, तब भी हमारा साथ और मज़बूत हो रहा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत और भूटान की प्रगति और समृद्धि एक दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इसी भावना को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष भूटान की पंचवर्षीय योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये के सहायता पैकेज की घोषणा की थी।

भारत फोर्ज 2,000 करोड़ रुपये तक जुटाएगी

नई दिल्ली/भाषा। भारत फोर्ज के निदेशक मंडल ने सावधि ऋण, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र या किसी अन्य ऋण साधन सहित विभिन्न माध्यमों के जरिये 2,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दे दी है। पुणे स्थित कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने सावधि ऋण, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर या किसी अन्य ऋण माध्यम के जरिये 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जुटाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस संबंध में रणनीतिक व्यवसाय - निवेश समिति को अधिकार दे दिए गए हैं।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 243 करोड़ रुपये से बढ़कर 299 करोड़ रुपये हो गया। वहीं परिचालन आय 4,032 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 3,688 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बाबा कल्याणी ने कहा, मौसमी और प्रचलित धारणाओं के कारण अमेरिका एवं यूरोपीय परिचालन में कमजोरी देखी गई। यूरोपीय इस्पात विनिर्माण क्षेत्र की समीक्षा जारी है और हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक ठोस उपाय किए जा सकेंगे।''

दिल्ली विस्फोट बड़ी सुरक्षा चूक का नतीजा : तेज प्रताप

पटना/भाषा। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) प्रमुख तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के लालकिला के पास हुआ विस्फोट ''बड़ी सुरक्षा चूक'' का नतीजा है, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। बिहार के पूर्व मंत्री यादव ने पटना में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, यह एक बड़ी सुरक्षा चूक थी। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में महिलाएं उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 122 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे और अंतिम चरण का मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जारी है। यादव इस बार महुआ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं।

तेजस्वी ने कतार में लगे मतदाताओं से बिना वोट डाले नहीं लौटने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता एवं महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई ''रिकॉर्ड मतदान'' ने यह संदेश दे दिया है कि राज्य की जनता को ''नतीजा'' चाहिए, ''जुमला'' नहीं। राजद नेता यादव ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर प्रशासन मतदान की रफ्तार धीमी कर सकता है, लेकिन उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे कतार में लगे रहें और वोट डाले बिना कतार छोड़कर वापस नहीं लौटें।

तेजस्वी यादव ने दूसरे चरण के मतदान के दिन एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार से लोगों को केवल आश्वासन, नारे, जुमले और खोखले वादे ही मिले हैं। बिहार की जनता अब इन सबको एक पल के लिए भी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने बीते कुछ वर्षों में बिहार के लिए एक ऐसी विकास नीति तैयार की है जो समावेशी प्रकृति'' की है और हर वर्ग, जाति, धर्म और समुदाय'' को ध्यान में रखती है। राजद नेता यादव ने कहा, लोगों ने राजग की उन गंदी चालों को नकार दिया है जिनका मकसद उन्हें भ्रमित करना था। मेरा सपना वही है जो आपका है, आपका दर्द मेरा दर्द है, हमारे लक्ष्य एक हैं - जिन्हें बिहार का कोई बाहरी व्यक्ति कभी समझ नहीं सकता। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीते 20 वर्षों में शासन-प्रशासन राज्य में वास्तविक विकास लाने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, सरकार युवाओं को रोजगार देने, अपराध घटाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा के लिए अच्छे अस्पताल बनाने में विफल रही। किसान बाढ़ से त्रस्त हैं, व्यापारी नुकसान झेल रहे हैं और जनता महंगाई की मार झेल रही है।

लोगों को एकजुट होना होगा ताकि आतंकवाद फिर से पनप न सके : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दिल्ली में हुए धमाके की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होना चाहिए कि देश में आतंकवाद फिर से सिर न उठा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य पुलिस सोमवार के धमाके के बाद सोशल मीडिया पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद का समर्थन करने वालों पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे लोग इस पूर्वोत्तर राज्य से हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

शर्मा ने नगांव जिले के राहा में एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, दिल्ली में हुआ विस्फोट बेहद निंदनीय है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, पिछले दो दिनों में कुछ खास लोगों से भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त किए गए हैं। निश्चित रूप से इसमें कोई बड़ी साजिश थी। उम्मीद है कि शाम तक हमें स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक धीमी गति से चलती कार में सोमवार शाम को धमाका होने से 12 लोगों की मौत हो गई। शर्मा ने कहा कि ऐसे समय में लोगों का एकजुट होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, लोगों को एकजुट होना होगा ताकि आतंकवाद फिर से सिर न उठा सके। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि धमाके के बाद से लोगों का एक वर्ग फेसबुक पर या तो खबर का स्वागत करते हुए पोस्ट कर रहा है या फिर खुशी वाले इमोजी डाल रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अप्रैल में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भी ऐसी ही प्रवृत्ति देखने को मिली थी। शर्मा ने कहा, इसका अभिप्राय है कि ये लोग आतंकवादियों का समर्थन कर रहे हैं। हम कल रात से ही उनकी पृष्ठभूमि की जांच कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर हम उनमें से कुछ को गिरफ्तार भी करेंगे ताकि असम में आतंकवाद फिर से पनप न सके या उसे बढ़ावा न मिले।

अल्लू अर्जुन, प्रियंका चोपड़ा और अन्य ने दिल्ली विस्फोट के प्रभावितों के प्रति संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली/भाषा। अल्लू अर्जुन, प्रियंका चोपड़ा जोनास और करण जौहर जैसी प्रमुख हस्तियों ने नयी दिल्ली में लाल किले के पास बम विस्फोट में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है तथा अन्य लोगों से सतर्क रहने का आह्वान किया है। सोमवार शाम दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धीमी गति से चल रही एक कार में यह शक्तिशाली विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में 12 लोगों की जान चली गयी जबकि कई अन्य घायल हो गये।

अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दिल्ली के लाल किले के पास हुई दुखद घटना से मैं बेहद दुखी हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह प्रभावित परिवारों को इस दुख से उबरने की शक्ति दे। मैं कामना करता हूं कि एक बार फिर शांति स्थापित हो। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर लिखा, लाल किले से आए दृश्य को देखकर बहुत दुख हुई। कितना डर, अफरा-तफरी और शोक। घायलों के प्रति मेरी सहानुभूति है और जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। जल्द ही कुछ जवाब मिलने की उम्मीद है। इस बीच, कृपया सुरक्षित और सतर्क रहें। करण ने लिखा, नयी दिल्ली के हालिया हादसे के सभी प्रभावित लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं उनके परिवारों के लिए अपना प्यार और प्रार्थनाएं भेज रहा हूं। कृपया इस समय सुरक्षित और सतर्क रहें।

ईशान खट्टर ने कहा, दिल्ली, कृपया सुरक्षित रहें और जानकारी प्राप्त करते रहें। विस्फोट के बारे में सुनकर मैं व्यथित हूं। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीड़ित परिवारों, प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए मेरी ओर से प्रार्थना है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ङ्क्ङ्कने कहा,लाल किला विस्फोट से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदना है। दिल्ली, मज़बूत रहें और सुरक्षित रहें। आयुष्मान खुराना ने लिखा, दिल्ली से आई खबर से मैं स्तब्ध और दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं सभी पीड़ितों, उनके परिवारों और घायलों के साथ हैं।

दिल्ली विस्फोट के बाद स्थानीय लोगों ने भयावह मंजर को किया बयां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक सोमवार शाम को हुए धमाके के बाद आसपास शरीर के अंग बिखरे पड़े थे। ये अंग निकटवर्ती जैन मंदिर तक बिखरे नजर आये और इसकी वजह से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। दिल्ली के सर्वाधिक भीड़भाड़ वाले और ऐतिहासिक इलाके में हुए इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। चांदनी चौक में बैग बेचने वाली करमजोत ने विस्फोट के कुछ ही पल बाद फैली अफरा-तफरी को याद करते हुए कहा, मैंने लाल किले की तरफ से बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर दौड़ते देखा और हर कोई चीख रहा था। मैं गुरुद्वारे की तरफ भागी और माहौल के शांत हो जाने तक वहां शरण ली।

जैन मंदिर स्पोर्ट्स क्लब के एक कर्मचारी जेपी मिश्रा ने बताया कि आपातकालीन दलों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोग घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े थे। उन्होंने कहा, जब मैं घटनास्थल पर पहुंचा तो मैंने हर जगह क्षत-विक्षत शव देखे। शरीर के कुछ अंग तो मेरे पैरों के नीचे भी आ गए। जैन मंदिर के पास रहने वाली प्रत्यक्षदर्शी कर्मायता देवी (45) ने बताया कि उनका परिवार पूरी रात सो नहीं पाया। उन्होंने कहा, ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। चारों तरफ पड़े शव देखकर मेरा 15 साल का बेटा डर गया।

लाल किले के पास रहने वाली 10-वर्षीय प्रिया ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि उसके घर की छत के कुछ हिस्से में सीमेंट भी उखड़ गया। उसने मद्धिम आवाज में कहा, आज हमारा स्कूल बंद है। हम पूरी रात सो नहीं पाए। मैंने इतना तेज धमाका पहले कभी नहीं सुना। इस बीच दुकानदारों को इस बात की चिंता सताने लगी है कि उन्हें अगले कुछ महीनों तक व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मुगलकाल, ब्रिटिश सरकार ने भारत की एकता को छिन्न-भिन्न कर दिया : योगी

बाराबंकी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि मुगल काल और ब्रिटिश राज ने भारत की एकता को भिन्न-भिन्न कर दिया।

आदित्यनाथ भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर कुर्सी विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता यात्रा की शुरुआत में भाग लेने के लिए बाराबंकी आए थे। बाराबंकी जिले में एक समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, अंग्रेज नहीं चाहते थे कि भारत एकजुट रहे।

उन्होंने भारत को विभाजित करने की साजिश रची। उन्होंने कहा, मुगल काल और ब्रिटिश राज ने एकता को छिन्न-भिन्न कर दिया। लाखों वर्षों से एकजुट रहा भारत, ब्रिटिश काल में एक-एक करके टुकड़ों में बंट गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन 14 अगस्त, 1947 को हुआ, जब अंग्रेजों ने भारत के दो हिस्से करके बड़ी चोट पहुंचाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंग्रेजों की मंशा भारत को कई टुकड़ों में बांटने की थी।

'वंदे मातरम' का विरोध करने वाला भारत माता का विरोध कर रहा : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाराबंकी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि जो कोई भी वंदे मातरम का विरोध कर रहा है, वह वास्तव में भारत माता का विरोध कर रहा है। आदित्यनाथ बाराबंकी में 1,734 करोड़ रुपये की 254 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने आए थे। इस मौके पर एक जनसभा में आदित्यनाथ ने कहा, जो कोई भी वंदे मातरम का विरोध कर रहा है, वह वास्तव में भारत माता का विरोध कर रहा है। यह वंदे मातरम किसी व्यक्ति, किसी जाति या किसी क्षेत्र के लिए नहीं है। यह किसी व्यक्ति को किसी विशेष पूजा पद्धति की ओर प्रवृत्त नहीं करता। यह वास्तव में भारत माता के प्रति श्रद्धा है।

मुख्यमंत्री ने देशवासियों से कहा, ''उन चेहरों को पहचानों, जो शासकीय योजनाओं को हड़पने की लाइन में सबसे पहले खड़े होते हैं, लेकिन कहते हैं कि हम वंदे मातरम नहीं गाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह सच है हमें देवी के तीन रूपों 'देवी सरस्वती, देवी लक्ष्मी और देवी दुर्गा' की पूजा करके भारत और भारतीयता को आगे बढ़ाने की शक्ति मिली है। आदित्यनाथ सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह के तहत कुर्सी विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता यात्रा की शुरुआत करने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बाराबंकी में थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''कोई भी मत, मजहब या जाति राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकती। हमारा ध्येय राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। राष्ट्र एक है तो हम एक हैं। वंदे मातरम के मार्ग की बाधा राष्ट्रीय एकता के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा है।'' इस बयान से एक दिन पहले सोमवार को आदित्यनाथ ने कहा था राज्य के प्रत्येक स्कूल और शैक्षणिक संस्थान में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया जाएगा। भारत के राष्ट्रीय गीत को लेकर बहस उस समय फिर से शुरू हो गई, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षभर चलने वाले समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा था कि 1937 में इसके कुछ प्रमुख छंद हटाने के निर्णय ने विभाजन के बीज बो दिए थे।

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित वंदे मातरम् को 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा द्वारा आधिकारिक रूप से भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि जाति, वंशवाद, क्षेत्रवाद और धर्म के नाम पर विभाजन की राजनीति को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा इतिहास केवल अध्ययन के लिए ही नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर भी देता है।

भाजपा की मदद कर रहे हैं ओवैसी, जनता उन्हें समझ चुकी है : खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटिहार/भाषा। बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने मंगलवार को आरोप लगाया कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जानबूझकर या ''अनजाने में'' हिंदी पट्टी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब लोग ओवैसी को भलीभांति समझ चुके हैं।'' कटिहार जिले की कदवा विधानसभा सीट से विधायक खान ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, मुझे लगता है कि ओवैसी की राजनीतिक सोच मूल रूप से त्रुटिपूर्ण है। भारत एक बहुलतावादी समाज है और महागठबंधन इस विचार को राजनीति में भी प्रतिबिंबित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन ओवैसी क्या कर रहे हैं? उन्हें वोट 'कटवा' (स्पॉइलर) के रूप में देखा जाता है। वह 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम के प्रदर्शन और इस बार के संभावित प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। वर्ष 2020 में ओवैसी की

पार्टी ने पांच सीट जीती थीं।

कांग्रेस नेता खान ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि इसे आश्चर्य कहा जाए या ओवैसी की अत्यधिक चालाकी। वह अपने गृह राज्य तेलंगाना में कभी सभी सीट पर चुनाव नहीं लड़ते, लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश में उम्मीदवार उतारना पसंद करते हैं। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें क्या हासिल हुआ? उन्होंने सिर्फ योगी आदित्यनाथ को सत्ता में बनाए रखने में मदद की। लोग अब यह सब समझ चुके हैं। दिल्ली में सोमवार को हुए विस्फोट के बारे में पूछे जाने पर खान ने कहा, मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। बतौर गृहमंत्री यह अमित शाह की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाएं घटित ही न हों। अब जब यह दुखद घटना हो चुकी है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह किसी भी समुदाय को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने वाली विभाजनकारी राजनीति में विश्वास नहीं करते।

बिहार विधानसभा चुनाव के बारे में खान ने कहा, लोग स्पष्ट रूप से उत्साहित हैं और बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं, यही कारण है कि मतदान प्रतिशत अधिक है। हम अगली सरकार बनाएंगे। यह पूछे जाने पर कि यदि महागठबंधन की सरकार बनने पर किसी मुस्लिम को उपमुख्यमंत्री बनाया जाए तो क्या वह इस भूमिका के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने कहा, यह निर्णय पार्टी नेतृत्व का होगा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार चुनाव में जबरदस्त प्रचार किया है और माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

उन्होंने पिछले सप्ताह समस्तीपुर जिले में एक मतदान केंद्र के बाहर वीवीपैट पर्चियों की बरामदगी की घटना पर चिंता जतायी और कहा, निर्वाचन आयोग से निष्पक्षता समाप्त हो गई है। कुप्रबंधन हर जगह दिख रहा है। मेरे अपने क्षेत्र में बुजुर्ग मतदाता शिकायत कर रहे हैं कि ईवीएम के पास पर्याप्त रोशनी नहीं है। कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं और कुछ बूथ पर तो सुबह नौ बजे तक मतदान शुरू ही नहीं हो सका।

सुविचार

**अहंकार और संस्कार में फर्क है,
अहंकार दूसरों को झुकाकर खुश होता है,
संस्कार स्वयं झुककर खुश होता है !!**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किसने किया दिल्ली को लहूलुहान?

दिल्ली में लाल किले के पास धमाके के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके षड्यंत्रकारियों का पता लगाने के संबंध में जो टिप्पणी की है, उससे देशवासियों में विश्वास पैदा हुआ है कि शांति के दुश्मनों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले के बाद भी एक जनसभा को संबोधित करते हुए इसी तरह टिप्पणी की थी। फिर, दुनिया ने देखा कि भारत ने एक-एक गुनहगार का हिसाब किया। अब दिल्ली भी हिसाब चाहती है। देश के दिल पर किसने हमला किया? बेगुनाह लोगों की सांसें किसने छीनीं? उसके मददगार कौन हैं? राष्ट्रीय राजधानी में जहां पुलिस और इतनी एजेंसियां हैं, कोई उनकी आंखों में धूल झोंक कर धमाका कैसे कर गया? देशवासी ऐसे कई सवालों के जवाब जानना चाहते हैं, लेकिन संयम और शांति के साथ। यह न भूलें कि ऐसी घटनाओं के पीछे एक बड़ा मकसद और होता है। वह है- 'लोगों के मन में शक और नफरत के बीज बोना, समुदायों में फूट डालना।' सोशल मीडिया पर आ रहीं कुछ टिप्पणियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जिन लोगों ने वारदात को अंजाम दिया, वे उससे अगले मकसद में भी कामयाब हो रहे हैं। इस समय हमें एकजुटता दिखानी चाहिए। यह देश हम सबका है। इसकी सुरक्षा और अखंडता को कायम रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। ऐसी घटनाएं हमें लहूलुहान तो कर सकती हैं, लेकिन हमारी एकता को नहीं तोड़ सकतीं। इस देश की शांति और सद्भाव को चंद सिरफिरे कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकते। भारतवासियों ने बड़े-बड़े खतरों का डटकर सामना किया है। जिन लोगों ने दिल्ली को दहलाने का षड्यंत्र रचा, आज वे किसी कोने में बैठकर हंस रहे होंगे, लेकिन कभी-न-कभी भारतीय एजेंसियां उन तक पहुंचेंगी।

अक्सर ऐसी घटनाओं के बाद कहा जाता है कि यह तो 'इंटेलीजेंस फेलियर' था। पुलिस और तमाम एजेंसियां इस बात का पता क्यों नहीं लगा पाईं? जाहिर है कि कहीं-न-कहीं चूक हुई है। अन्यथा इतनी बड़ी घटना नहीं होती। यह भी याद रखें कि पुलिस और एजेंसियों को हर बार कामयाब होने के लिए कोशिश करनी होती है। ऐसे कितने ही षड्यंत्र कई बार नाकाम किए गए हैं। जनता को उनकी कोई जानकारी नहीं होती। वहीं, अपराधियों, अलगाववादियों और आतंकवादियों को सिर्फ एक मौका चाहिए। अगर वे उसमें कामयाब हो जाते हैं तो हर तरफ उनका ही जिक्र होता है। भारतीय एजेंसियों ने अपने पिछले अनुभवों से बहुत सीखा है। याद करें, नब्बे के दशक से लेकर 26/11 तक कितने धमाके हुए थे? उसके बाद भी धमाके हुए, लेकिन ये घटनाएं कुछ क्षेत्रों तक सीमित रह गईं। पहले, जो आतंकवादी मुंबई तक पहुंच जाते थे, अब वे एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ही ढेर कर दिए जाते हैं। चूंकि एलओसी और सीमा की कुल लंबाई हजारों किलोमीटर है और वहां भौगोलिक परिस्थितियां अत्यंत चुनौतीपूर्ण हैं, इसलिए कभी-कभार आतंकवादी घुसपैठ करने में कामयाब हो जाते हैं या वे हथियार, विस्फोटक आदि पहुंचा देते हैं। भारतीय सुरक्षा बलों और एजेंसियों को सुनिश्चित करना होगा कि शांति के दुश्मनों का हर दांव नाकाम हो। अब भारत सरकार को एक काम जरूर करना चाहिए। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों को निकाला था, उसी तरह अब अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को निकालें। यह कोई असंभव काम नहीं है। सरकार कुछ इच्छाशक्ति दिखाए तो ऐसा कर सकती है। अगर इन्हें अब नहीं निकाला तो भविष्य में सुरक्षा और शांति व्यवस्था से जुड़ीं गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

ट्वीटर टॉक

LVM3M5 मिशन के माध्यम से अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह CMS-03 सफलतापूर्वक लॉन्च कर खड्ठज ने एक और स्वर्णिम अध्याय लिखा है। यह सफलता भारत की अंतरिक्ष में दक्षता और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल है।

-गजेनद्र सिंह शेखावत

बेटियों से गौरवान्वित भारत। देश की बेटियों ने पहली बार महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर अभूतपूर्व विजय प्राप्त करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बहुत बधाई, आपने पूरे विश्व को खुशी का अवसर दिया है।।

-गोविंद सिंह डोटासरा

युवाओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हमारी सरकार सरकारी सेवाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आचरण बड़ा या ज्ञान?

बराजा की सभा में एक बडा सम्मानित राज पुरोहित था। जब वह आता राजा भी खड़े होकर उसका स्वागत करते थे। एक दिन राजा ने अपनी सभासद के सामने समस्या पूर्ति रखी की आचरण बड़ा या ज्ञान? राजपुरोहित ने कहा: प्रश्न के समाधान के लिए थोड़ा वक्त चाहिए। राजपुरोहित ने एक प्रयोग किया, कोषागार से दो मोती चुरा लिए। खजांची ने देखा और हैरान रह गया। दूसरे दिन भी ऐसा ही हुआ। राजपुरोहित ने फिर से रत्न चुरा लिए। बात राजा तक पहुंची और राजा ने जांच कराई, तथा राजपुरोहित की सच्चाई सामने आईं। अगले दिन राजा ने राजपुरोहित को सम्मान नहीं दिया। उसके सम्मान में खड़ा नहीं हुआ। पुरोहित ने मन ही मन कहा: दवा काम कर गई। राजा ने पुरोहित से पुछा अपने मोती, रत्न चुराएं है? जी हां, पुरोहित ने कहा। राजा ने पुछा क्यों?: दरअसल में आपको दिखाना चाहता था कि आचरण बड़ा है या ज्ञान? मेरी राज्य सभा में जो प्रतिष्ठित है, सम्मान है, इज्जत है वह आचरण के कारण है या ज्ञान के?.. ..आपने देखा कि मेरा ज्ञान मेरे पास था, उसमें कोई फर्क नहीं आया, उसमें कोई कमी नहीं आई। फिर भी आपने मेरा स्वागत नहीं किया। खड़े होकर मेरा सम्मान नहीं किया। क्योंकि मैं आचरण से गिर गया था राजपुरोहित से चोर बन गया था। मेरा आचरण गिर, गया था राजपुरोहित से चोर बन गया था।.. ..मेरा आचरण गिरा, आपकी भौंहें तन गई। मैं समझ गया कि आचरण बड़ा है या ज्ञान? मुझे लगता है कि आपके प्रश्न का भी यही उत्तर है।

सामयिक

दिल्ली ब्लास्ट : बढ़ते भारत को रोकने का षड्यंत्र

प्रो. महेश चंद गुप्ता

दिल्ली में बीती शाम को हुए बड़े विस्फोट ने पूरे देश को झकझोर दिया है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार इस विस्फोट में नौ लोगों की मौत हुई है और दो दर्जन से अधिक घायल हैं। दिल्ली में इससे पहले भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट, विभिन्न बाजारों और धार्मिक स्थलों को आतंकवादी निशाना बनाते रहे हैं लेकिन सरकार की कड़ी चौकसी के कारण चौदह सालों तक वह दिल्ली में अपनी नापाक हरकत को अंजाम नहीं दे पाए। चौदह सालों बाद राजधानी में यह आतंकियों की यह कोशिश महज हिंसा नहीं बल्कि भारत की शांति, स्थिरता और विकास यात्रा को बाधित करने का सुनियोजित प्रयास है। यह धमाका बढ़ते भारत को रोकने का षड्यंत्र है।

वर्ष 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद देश तरक्की की सीढ़ियां चढ़ रहा है। नक्सलवाद खत्म हो रहा है। समूचे देश में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। देश की अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा और वैश्विक प्रतिष्ठा में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बना है और अब 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन सबके बीच भारत की आंतरिक स्थिरता, तकनीकी प्रगति और वैश्विक स्वीकार्यता ने शत्रु देशों को असहज कर दिया है। खासतौर पर पाकिस्तान, जो अपनी नाकाम राजनीति और चरमराती अर्थव्यवस्था के कारण स्वयं संकट में डूबा है, भारत के विकास को हजम नहीं कर पा रहा। वर्ष 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद पाकिस्तान के हुक्मरान अपने देश के सृजन बारे में सोचने में उतना समय नहीं खर्च करते, जितना भारत में विध्वंस की दिशा में विचार करने के लिए लगाते हैं। पाकिस्तान की आंखों में जहां भारत की प्रगति चुभ रही है, वहीं उसे भारत की आंतरिक शांति भी रास नहीं आ रही है। खासकर, मोदी सरकार बनने के बाद पाकिस्तान देश में बड़े आतंकी हमले कराने में कामयाब नहीं हो पा रहा है।

एक जमाने में देश के हर हिस्से में असुरक्षा और दहशत का माहौल था। देश में आतंकी हमले होना आम बात थी। आतंकियों का जब जी चाहता, सीमा पार करके आते और देश के विभिन्न शहरों में मासूम लोगों को मौत के घाट उतार देते। शहर-दर-शहर बम विस्फोट रोजमर्रा की बात हो गए थे। पाकिस्तान जहां सीमाओं पर गोलीबारी बरकरार रखता, वहीं हमारे देश के भीतर भी आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा। पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादियों के लिए दिल्ली, मुंबई और जम्मू-कश्मीर हमेशा से बड़े लक्ष्य रहे हैं। विभिन्न आतंकी हमलों की घटनाएं हमारे जेहन में दर्ज हैं लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद आतंकियों को सीमा पार से घुसपैठ में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस दौरान जहां भारत

पाकिस्तान, जो अपनी नाकाम राजनीति और चरमराती अर्थव्यवस्था के कारण स्वयं संकट में डूबा है, भारत के विकास को हजम नहीं कर पा रहा। पाकिस्तान की आंखों में जहां भारत की प्रगति चुभ रही है, वहीं उसे भारत की आंतरिक शांति भी रास नहीं आ रही है।

में घुसने की कोशिश करने वाले आतंकियों को सीमा पर ही ढेर करने की नीति पर व्यापक काम शुरू हुआ, वहीं देश में घुसे आतंकियों का भी सफाया करने पर जोर रहा।

हालांकि बौखलाए आतंकियों ने कश्मीर में पुलवामा व उड़ी तथा पंजाब के पठानकोट एयरबेस पर हमले और पहलगाम में पर्यटकों पर हमने का दुस्साहस किया मगर लेकिन इनकी प्रतिक्रिया में भारत ने जिस प्रकार सीमा पार ठिकानों पर प्रहार किए, उसने पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर अलग-थलग कर दिया। भारत ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 में ऑपरेशन सिंदूर जैसे निर्णायक कदम उठाकर दुनिया को दिखा दिया कि वह अब सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा है। भारत के कड़ी कार्रवाईयों के बाद अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को आतंकवाद का प्रायोजक मानता है। ऐसे में दिल्ली में यह ताजा धमाका किसी हताश आतंकी नेटवर्क की आखिरी कोशिश भी माना जा सकता है। हालांकि अभी जांच चल रही है, एजेंसियों ने कुछ स्पष्ट नहीं किया है मगर हर देशवासी जानता है कि लाल किले के आगे हुआ ब्लास्ट पाकिस्तान की इसी कुत्सित सोच का परिणाम है। दिल्ली देश का दिल है। यहां ऐसी वारदातें करने के पीछे आतंकवादियों का उद्देश्य पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करना है। चौदह साल तक आंतकवादी अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाए। अब यह ब्लास्ट करके वह भले ही खुश हो रहे हों मगर उन्हें जल्द ही मातम मनाना पड़ेगा क्योंकि मोदी सरकार देश की ओर बुरी नजर डालने वालों को बख्शने वाली नहीं है। भारत की ओर कुदृष्टि डालते वक्त आंतकवादी और उनके सरपरस्त इस बात को भूल गए लगते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इस भूल का अहसास उन्हें जल्द ही हो जाएगा।

साढ़े पांच दशक से दिल्ली में रह रहे मुझ जैसे तमाम लोग इस घटना से गमगीन हैं मगर हताश नहीं हैं। हमें अपने देश पर भरोसा है। मैंने दिल्ली की शांति देखी है तो दुर्भाग्य से अशांत दिनों का साक्षी भी हूं। पिछले करीब चार दशकों में दिल्ली ने न जाने कितने आतंकी हमले झेले हैं। मोदी के सत्ता में आने से पहले हमारी दिल्ली भी हमेशा आतंकियों के निशाने पर रही। पिछले दो दशक में दिल्ली में आंतकी हमलों में एक सौ से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी है और पांच सौ से अधिक घायल हुए हैं। 13 दिसम्बर 2001 को संसद पर हुआ हमला देश की संप्रभुता पर हमला था। केवल दिल्ली और मुम्बई ही नहीं, जयपुर, अजमेर, मालेगांव, श्रीनगर, अहमदाबाद, बेंगलुरू, रामपुर, हैदराबाद, कोयंबटूर, वाराणसी समेत देश के तमाम राज्यों के बड़े शहरों में आतंकियों के नापाक मंसूबे कामयाब होते रहे। मोदी सरकार ने देश में आंतरिक सुरक्षा को कड़ा करते हुए आंतकियों के नापाक मंसूबों को सफल नहीं होने दिया। मुझे याद है 7 सितंबर 2011 का वह दिन, जब दिल्ली हाई कोर्ट के गेट नंबर-5 के बाहर सूटकेस बम ब्लास्ट हुआ, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी और 76 घायल हुए थे। इसके बाद से हमारी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत है पर ताजा ब्लास्ट ने हमें सोचने पर मजबूर किया है। इस विस्फोट से कुछ घंटे पहले फरीदाबाद में एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था, जिसमें तीन डॉक्टरों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, एक असॉल्ट राइफल और एक एके 47 जब्त की गई। इससे साफ संकेत है कि दिल्ली में हुआ ब्लास्ट उसी नेटवर्क से जुड़ा है। अगर यह मॉड्यूल समय रहते पकड़ा न गया होता तो न जाने कितने शहरों में तबाही मचाई जाती।

देश की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले दशक में आतंकवादी ढांचों को बहुत कमजोर किया है। सीमा पार से घुसपैठ के मामलों में 60 प्रतिशत कमी आई है। जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों में स्थानीय युवाओं की भर्ती दर घट रही है। हमारी विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के बीच समन्वय पहले से कहीं बेहतर हुआ है लेकिन इस हमले ने यह संकेत जरूर दिया है कि आतंकी संगठन अभी भी किसी न किसी रूप में सक्रिय हैं और उन्हें विदेश से वित्तीय और वैचारिक समर्थन मिल रहा है। साढ़े पांच दशकों से दिल्ली में रहने वाले मुझ जैसे लोगों के लिए यह घटना बेहद दर्दनाक है। हमने दिल्ली के वे दिन भी देखे हैं जब बाजारों, बसों और मंदिरों में सिलसिलेवार बम धमाके हुआ करते थे। आज की दिल्ली पहले की अपेक्षाकृत बहुत सुरक्षित है लेकिन यह ताजा विस्फोट हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षा के मामले में आत्म संतोष कभी नहीं होना चाहिए। तमाम सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करने की जरूरत है। भविष्य में आतंकी अपने नापाक इरादों में कामयाब न हो पाएं, यह सुनिश्चित बनाने के लिए सरकार को सुरक्षा प्रबंध और कड़े करने होंगे। सरकार तो अपना काम कर रही है मगर विपक्षी दलों को अपना रवैया सुधारना होगा। विपक्षी दलों को इस समय राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठकर एकजुटता दिखानी होगी। जब देश की सुरक्षा दांव पर हो, तब किसी सरकार या पार्टी की नहीं बल्कि यह पूरे भारत की परीक्षा होती है। दुर्भाग्य से कई बार कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल संवेदनशील मुद्दों पर बयान देकर जाने-अनजाने में दुश्मनों के नैरेटिव को बल देते हैं। उन्हें यह समझना होगा कि भारत की एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

दिल्ली देश का दिल है। यहां धमाका सिर्फ एक शहर पर हमला नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और वैश्विक उभार पर प्रहार है मगर भारत अब वह देश नहीं जो झुके या डरे। जो ताकतें भारत की प्रगति से जल रही हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि यह नया भारत है, जो केवल हमला झेलता नहीं बल्कि जवाब देना भी जानता है। समूचे देश को एकजुट होने की जरूरत है। हमें आतंकवादियों और उन्हें शह दे रही ताकतों को यह अहसास करवाना होगा कि रंग-रूप, वेश-भाषा भले ही अनेक होने के बावजूद हिंदुस्तान के सभी जन एक हैं।

नजरिया

जब शिव बने कालभैरव : अहंकार के अंत की कथा

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारतीय संस्कृति में समय को केवल भौतिक या कालगत तत्व नहीं माना गया, बल्कि उसे चेतना का रूप कहा गया है-जो सृजन और विनाश दोनों का नियंत्रण करता है। इसी समय का प्रतीक हैं भगवान कालभैरव, जो भगवान शिव का रौद्र और न्यायप्रिय स्वरूप हैं। हर वर्ष मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाने वाली कालभैरव जयंती हमें यही स्मरण कराती है कि जीवन और जगत में सबसे बड़ी शक्ति समय ही है-जो न्याय करता है, असत्य का विनाश करता है और धर्म की रक्षा करता है। वर्ष 2025 में यह पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा।

पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि एक बार ब्रह्मा, विष्णु और महेश के बीच श्रेष्ठता का विवाद हुआ। ब्रह्माजी ने अहंकारवश भगवान शिव का अपमान किया। तभी शिव के क्रोध से कालभैरव उत्पन्न हुए और उन्होंने ब्रह्मा का पंचम सिर काटकर उनके अहंकार का अंत किया। इस घटना ने यह सिखाया कि ज्ञान और सृजन के देवता भी जब अहंकार में अंधे हो जाते हैं, तब न्याय का काल स्वयं प्रकट होता है। कालभैरव को उसी न्याय और समय के देवता के रूप में पूजा जाता है। वाराणसी में उन्हें कोतवाल देव कहा जाता है-जहाँ वे धर्म के प्रहरी और न्याय के रक्षक माने जाते हैं।

कालभैरव का अर्थ है 'भय का नाश करने वाला'। लेकिन उनका यह रूप केवल भय उत्पन्न करने के लिए नहीं, बल्कि अनुशासन और सतर्कता का प्रतीक है। भैरव का रौद्र भाव मनुष्य के भीतर के असंतुलन, लालच, अन्याय और दंभ को तोड़ता है। यही कारण है कि कालभैरव की उपासना हमें भय से नहीं, बल्कि आत्मबल से जोड़ती है। उनका दर्शन हमें यह सिखाता है कि जीवन का हर क्षण समय के अधीन है, और समय से बड़ा कोई नहीं। इसलिए धर्म का पालन ही आत्मशांति का मार्ग है। कालभैरव जयंती का धार्मिक महत्व गहरा है, पर इसकी दार्शनिक गहराई और भी व्यापक है। यह पर्व केवल भगवान शिव की आराधना नहीं, बल्कि उस न्याय और सत्य के प्रति समर्पण है जो समय स्वयं करता है। कालभैरव जयंती हमें चेतावनी देती है कि अहंकार और अन्याय का अंत निश्चित है। यह दिन

आत्ममंथन का दिन है-जब हम यह सोचते हैं कि क्या हम धर्म और सत्य के मार्ग पर हैं या नहीं।

इस दिन भक्त उपवास रखते हैं, काले वस्त्र धारण करते हैं और कालभैरव की पूजा करते हैं। पूजा में काले तिल, उड़द की दाल, सरसों के तेल का दीपक, बेलपत्र और नारियल का प्रयोग किया जाता है। ॐ कालभैरवाय नमः' या ॐ ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु कुरु बटुकाय नमः' जैसे मंत्रों का जाप कर व्यक्ति अपने भीतर के भय को शांति में बदलता है। यह पूजा केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मानुशासन का प्रतीक है। रातभर जागरण और भजन-कीर्तन के माध्यम से व्यक्ति अपने मन की अंधकारमय परतों से मुक्त होने का प्रयास करता है।

कालभैरव जयंती का एक मानवीय पक्ष भी है। इस दिन काले कुत्ते को भोजन कराना शुभ माना जाता है, क्योंकि वह भगवान कालभैरव का वाहन है। लेकिन इसका भावार्थ यह है कि धर्म केवल देवताओं की पूजा में नहीं, बल्कि दया और सेवा में भी है। जब हम किसी प्राणी को भोजन कराते हैं, तो हम अपने भीतर के करुणाभाव को जागृत करते हैं। यही करुणा धर्म की जड़ है। आज के समय में कालभैरव जयंती की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह युग अहंकार, अन्याय और अधैर्य का युग है-जहाँ समय का सम्मान कम और तात्कालिक लाभ का आकर्षण अधिक है। कालभैरव हमें सिखाते हैं कि समय को जीतना असंभव है, लेकिन समय के साथ चलना ही समझदारी है। वे हमें स्मरण कराते हैं कि जो समय का आदर करता है, वही न्याय और धर्म के मार्ग पर टिक सकता है। उनकी आराधना का अर्थ है-अपने भीतर के भय, लालच और असत्य से मुक्त होना।

भय और विनाश के इस प्रतीक रूप में भी एक गहरा संतुलन छिपा है। शिव के अन्य रूप जहाँ करुणा, प्रेम और सृजन के प्रतीक हैं, वहीं कालभैरव वह शक्ति हैं जो अनुशासन, न्याय और भय के माध्यम से संतुलन बनाए रखते हैं। उनका संदेश यह है कि बिना भय के कोई व्यवस्था टिक नहीं सकती और बिना करुणा के कोई भय पवित्र नहीं होता। धर्म का संतुलन इन्हीं दो ध्रुवों के बीच है।

सोशल मीडिया और डिजिटल युग में जब भक्ति भी दिखावे और प्रतिस्पर्धा में बदलती जा रही है, तब कालभैरव जयंती जैसे पर्व हमें भीतर झाँकने का अवसर देते हैं। यह पर्व हमें बताता है कि वास्तविक पूजा किसी बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि भीतर के अनुशासन, संयम और सत्य की साधना में है। कालभैरव की आराधना उस चेतना का आह्वान है जो हमें समय के न्याय के प्रति सजग रखती है। अंततः, कालभैरव जयंती भय का नहीं, बल्कि जागृति का पर्व है। यह हमें सिखाती है कि समय को केवल घड़ी की टिक-टिक में नहीं, अपने कर्मों की दिशा में महसूस किया जाए। जब हम धर्म, सत्य और न्याय के साथ चलते हैं, तब समय हमारे पक्ष में होता है। लेकिन जब हम अहंकार और अन्याय में उलझते हैं, तब वही समय कालभैरव बनकर हमारा परीक्षण करता है। यही इस पर्व का सार है-कि भय नहीं, बल्कि आत्मसजगता ही सच्चा धर्म है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अभिनेत्री-गायिका श्रुति हासन ने एस.एस. राजामौली की फिल्म 'ग्लोब ट्रॉटर' के लिए गीत गाया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री एवं गायिका श्रुति हासन ने एसएस राजामौली की आगामी फिल्म ग्लोब ट्रॉटर' में ऑस्कर विजेता संगीतकार एम.एम. कीरवानी के गीत को आवाज दी है। हासन ने सोशल मीडिया पर इस संबंध में जानकारी दी। फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनास और पृथ्वीराज सुकुमारन हैं।

हासन ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर सोमवार को रिकॉर्डिंग' की एक वीडियो साझा की और लिखा, एमएम कीरवानी सर के संगीत के लिए गाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात थी।' लेट इट बैंग, ग्लोबट्रॉटर'। मैं चुपचाप बैठकर सर के संगीत को सुन रही थी। उन्होंने (कीरवानी) ने कहा कि वह आमतौर पर किसी भी चीज की शुरुआत विघ्नेश्वर मंत्र से करते है, इसलिए मैंने सोचा कि वह वही बजाना शुरू कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, ''अचानक मुझे एहसास हुआ कि यह अप्पा का गाना था... और वह पल बेहद खास था। उस दिन आपकी दयालुता और पूरी टीम के प्यार और गर्मजोशी के लिए शुक्रिया सर। मैं आपके इस गाने को सुनने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं।'' हासन इससे पहले लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' में नजर आईं और उनकी आगामी फिल्म 'ट्रेन' तथा 'सालार 2' है।

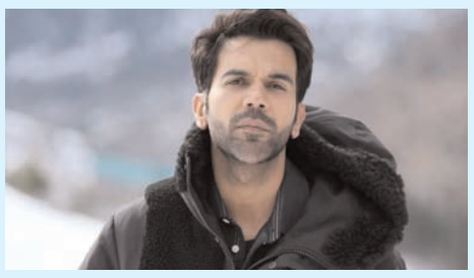

अभिनेता राजकुमार राव ने पूरी की 'निकम' फिल्म की शूटिंग

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता राजकुमार राव ने लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम के जीवन पर आधारित 'निकम' फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। राव ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' की स्टोरी पर फिल्म निर्देशन टीम का एक पत्र सोमवार को साझा करते हुए इसकी घोषणा की। हस्तलिखित पत्र में अभिनेता की प्रशंसा की गई। पत्र में लिखा था, ''राज सर... आज सच में यह कहना बहुत मुश्किल है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है क्यूंकि हमने इस बीच आपके साथ कई दिन बिताए हैं, आपको इतनी शांति, ईमानदारी और शालीनता के साथ उज्ज्वल निकम में जान भरते हुए देखा है।'' पत्र की तस्वीर साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा, ''निकम टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।'' अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित इस फिल्म के निर्माता दिनेश विजन हैं और इसमें वामिका गब्बी भी हैं। 'भूल चूक माफ' के बाद राव और गब्बी की जोड़ी इसमें एक बार फिर से देखने को मिलती है। राव की इससे पहले 'मालिक' फिल्म आई थी जो जुलाई में रिलीज़ हुई और इसका निर्देशन पुलकित ने किया था।

धर्मेंद्र की हालत स्थिर और सेहत में हो रहा सुधार, झूठी खबरें फैलाना बंद करें : परिवार

मुंबई/भाषा। जाने-माने अभिनेता धर्मेंद्र के परिवार ने मीडिया से उनके स्वास्थ्य के बारे में झूठी खबरें प्रसारित नहीं करने का आग्रह करते हुए मंगलवार को कहा कि उनकी हालत स्थिर है और उनके स्वास्थ्य में ''सुधार हो'' रहा है। धर्मेंद्र (89) मुंबई के एक अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में हैं। इससे पहले सुबह धर्मेंद्र की मौत को लेकर खबरें प्रसारित होने के बाद उनकी बेटी एशा देओल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करके उन्हें खारिज कर दिया।

एशा ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, लगता है कि मीडिया जरूरत से ज्यादा सक्रियता दिखा रहा है और झूठी खबरें फैला रहा है। मेरे पिता की हालत स्थिर है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें। पापा के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद। अभिनेत्री एवं सांसद हेमा मालिनी ने भी अपने पति धर्मेंद्र के स्वास्थ्य के बारे में ''गैर-जिम्मेदाराना'' मीडिया कवरेज की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, जो कुछ हो रहा है, वह अक्षम्य है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबर कैसे फैला सकते हैं जिसे इलाज से लाभ हो रहा है और जिसके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है? यह बेहद अपमानजनक और गैरजिम्मेदाराना है। कृपया परिवार और उसकी निजता की जरूरत का पूरा सम्मान करें।

धर्मेन्द्र के बेटे अभिनेता सनी देओल के एक प्रतिनिधि ने कहा कि दिग्गज अभिनेता पर इलाज का असर हो रहा है। प्रतिनिधि ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सर (धर्मेंद्र) के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और उपचार से उन्हें लाभ हो रहा है। आइए, हम सब उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु के लिए प्रार्थना करें। एशा और हेमा मालिनी के बयान ऐसे समय में आए, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गीतकार जावेद अख्तर सहित कई प्रमुख हस्तियों ने धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स' पर पोस्ट साझा कीं। बाद में उन्होंने अपनी पोस्ट' हटा दीं। धर्मेंद्र को पिछले कुछ दिन में कई बार दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सनी देओल के प्रतिनिधि ने भी सोमवार को कहा था, धर्मेंद्र जी की हालत स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। आगे की टिप्पणी और अद्यतन जानकारी उपलब्ध होने पर साझा की जाएगी। सभी से अनुरोध है कि उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करें और परिवार के निजता के अधिकार का सम्मान करें।'' हेमा मालिनी, सनी देओल और बॉबी देओल समेत पूरा देओल परिवार इस समय अस्पताल में धर्मेंद्र के पास है। अभिनेता शाहरुख खान और सलमान खान भी परिवार से मिलने अस्पताल पहुंचे। अभिनेता गोविंदा और अभिनेत्री अमीषा पटेल को भी अस्पताल में देखा गया।

भारत में दुनिया की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में से एक का निर्माण करेगा अदाणी समूह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह ने बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में प्रवेश की मंगलवार को घोषणा की। समूह की गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावाट/ 3,530 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) स्थापित करने की योजना है जो भारत की सबसे बड़ी एवं दुनिया की सबसे बड़ी एकल-स्थान भंडारण परियोजनाओं में से एक होगी। समूह ने बयान में कहा कि 700 से अधिक बीईएसएस कंटेनर वाली इस सुविधा के मार्च 2026 तक चालू होने की उम्मीद है। यह खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा परिसर का हिस्सा होगी जिसे विश्व का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र बताया जा रहा है।

बीईएसएस परियोजना की विद्युत क्षमता 1126 मेगावाट और ऊर्जा क्षमता 3530 मेगावाट होगी। इसका मतलब है कि बीईएसएस 3530 मेगावाट ऊर्जा संग्रहित करने में सक्षम होगी जिससे 1126 मेगावाट की विद्युत क्षमता लगभग तीन घंटे बढ़ जाएगी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, ऊर्जा भंडारण अक्षय ऊर्जा आधारित भविष्य की आधारशिला है। इस ऐतिहासिक परियोजना के साथ, हम न केवल वैश्विक मानक स्थापित कर रहे हैं बल्कि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता एवं स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल समूह को बड़े पैमाने पर विश्वसनीय, स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। समूह ने बयान में कहा कि वह वित्त वर्ष 2026-27 तक अपनी भंडारण क्षमता को 15 गीगावाट घंटा और पांच वर्ष के भीतर 50 गीगावाट घंटा तक बढ़ाने की योजना बना रहा है जो बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना में उसकी महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करता है। इस रणनीतिक प्रवेश के साथ, अदाणी समूह बड़े पैमाने पर भंडारण अवसंरचना में निवेश करने वाले वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो गया है जो भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में एक परिवर्तनकारी क्षण को चिह्नित करता है। अहमदाबाद में मुख्यालय वाला अदाणी समूह ऊर्जा, रसद, धातु एवं उपभोक्ता क्षेत्रों में विविध व्यवसायों का संचालन करता है। इसने भारत के शुद्ध-शून्य और स्थिरता लक्ष्यों के साथ अपने विकास को संरेखित करने का संकल्प लिया है।

बिजली मंत्री ने देश की पहली 'वैनेडियम रेडोक्स फ्लो बैटरी' प्रणाली का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को देश की पहली तीन मेगावाट घंटा क्षमता वाली एमडब्ल्यूएच वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (वीआरएफबी) प्रणाली का उद्घाटन किया। बिजली मंत्रालय ने बयान में कहा कि मनोहर लाल ने एनटीपीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र, एनईटीआरए (एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रिसर्च एलायंस) में इस परियोजना का उद्घाटन किया।

मेगावाट-घंटा पैमाने की वैनेडियम फ्लो बैटरी एक बड़े पैमाने की ऊर्जा भंडारण प्रणाली है जो तरल इलेक्ट्रोलाइट्स में बिजली संग्रहीत करती है। इसमें मेगावाट रेंज में बिजली और मेगावाट घंटा रेंज में ऊर्जा संग्रहीत करने और वितरित करने की क्षमता होती है। बयान के अनुसार, बिजली मंत्री ने भारत की सबसे बड़ी और पहली तीन मेगावाट घंटा क्षमता वाली एमडब्ल्यूएच वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी प्रणाली का उद्घाटन किया। यह परियोजना दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण समाधान की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और ग्रिड की मजबूती को बढ़ाती है।

ट्रंप के भाषण को लेकर बीबीसी के दो अधिकारियों ने दिया इस्तीफा, पहले भी हो चुके हैं ऐसे कई विवाद

लंदन/एपी। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के एक शीर्ष अधिकारी और समाचार प्रभाग की प्रमुख ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के संपादन को लेकर हुई आलोचना के बाद अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के इस भाषण के कुछ देर बाद छह जनवरी 2021 को उनके समर्थकों ने अमेरिकी कैपिटल हिल (संसद भवन) पर धावा बोल दिया था। यह पहला मामला नहीं है जब बीबीसी के अधिकारियों को किसी विवाद के चलते इस्तीफा देना पड़ा हो या माफी मांगनी पड़ी हो। इससे पहले भी ऐसा कई बार हो चुका है। संपादकीय रूप से स्वतंत्र माने जाने वाले बीबीसी की स्थापना 1922 में हुई थी। अपने वैश्विक समाचारों और मनोरंजन व खेल कार्यक्रमों के लिए बीबीसी को व्यापक सम्मान मिला।

इजराइल में महाराजा दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी की प्रतिमा का अनावरण किया गया

नेवातिम(इजराइल)/भाषा। महाराजा दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी की प्रतिमा का अनावरण 'दक्षिणी मोशाव' (किसानों का समुदाय) में किया गया। यह सम्मान उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कुछ यहूदियों सहित असहाय पोलिश बच्चों को बचाने के उनके प्रयासों के लिए दिया गया। भारत में एक रियासत, नवानगर के महाराजा को युद्ध के दौरान उनकी 'अनुकरणीय करुणा' के लिए सोमवार शाम को भारतीय यहूदी विरासत केंद्र (आईजेएचसी) और कोचीनी यहूदी विरासत केंद्र (सीजेएचसी) द्वारा सम्मानित किया गया। नवानगर को अब गुजरात राज्य में जामनगर के रूप में जाना जाता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब यूरोप संघर्ष और उत्पीड़न की आग में झुलस रहा था, तब महाराजा एक अप्रत्याशित रक्षक के रूप में उभरे और उन्होंने लगभग एक हजार पोलिश बच्चों को बचाया, जिनमें से कुछ यहूदी थे। उन्होंने इन बच्चों को गोद लिया और 1942 में जामनगर के बालाचडी गांव में उनके लिए आश्रय बनवाया, जिससे उन्हें युद्ध की भयावहता से बचाया जा सके। समारोह में उपस्थित इजराइल में भारत के राजदूत जे पी सिंह ने महाराजा की ''करुणा'' को रेखांकित किया और उन्हें ''आशा की किरण' बताया तथा याद दिलाया कि मानवता सभी सीमाओं से ऊपर उठती है। इजराइल में पोलैंड के राजदूत मैसीज हुनिया ने भी समारोह में भाग लिया और इसे एक बहुत ही 'भावुक क्षण' बताया।

पोलैंड के राजदूत ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उनके परिवार के कुछ सदस्यों को भी भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब उनके देश के प्रधानमंत्री ने महाराजा से पूछा कि वे उनके इस महान कार्य के ऋण को कैसे चुका सकते हैं, तो उन्होंने कहा था कि स्वतंत्र पोलैंड के वारसॉ में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा जाए।

हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले ने उपन्यास 'फ्लेश' के लिए 2025 का बुकर पुरस्कार जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उनके उपन्यास फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार 2025 का विजेता घोषित किया गया।

स्जेले ने भारतीय मूल की लेखिका किरण देसाई के उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सोनिया एंड सनी' को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान सोमवार रात लंदन में आयोजित एक समारोह में जीता। स्जेले (51) को एक ट्रॉफी और 50,000 पाउंड की नकद राशि पिछले वर्ष की बुकर पुरस्कार विजेता सामंथा हार्वे द्वारा प्रदान की गई। उनका यह उपन्यास भावनात्मक रूप से अलग-थलग पड़े एक व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी उसके काबू से बाहर हो चुकी घटनाओं के कारण बिखर जाती है।

बुकर पुरस्कार की जूरी ने कहा, सरल लेकिन सशक्त भाषा का प्रयोग करते हुए यह रोमांचक और प्रभावशाली पुस्तक एक व्यक्ति के जीवन का अत्यंत संवेदनशील चित्रण प्रस्तुत करती है। किरण देसाई दूसरी बार यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल करने से चूक गयी हैं। बुकर पुरस्कार के 56 साल के इतिहास में केवल पांच बार ऐसा हुआ है जब एक ही व्यक्ति ने दो बार

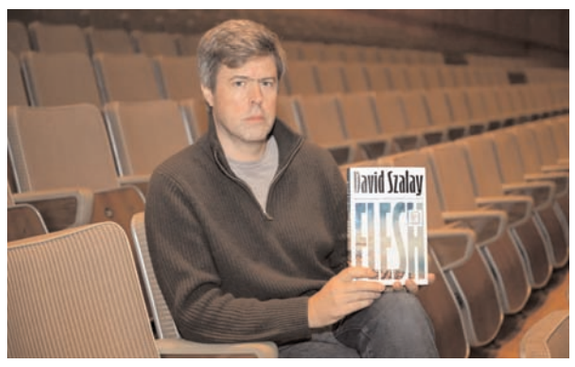

यह पुरस्कार जीता है। देसाई ने 2006 में 'द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस' के लिए यह प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मान जीता था। देसाई ने अपने नए उपन्यास के बारे में कहा, ''मैंने एक ऐसी किताब लिखनी चाही जो वैश्विक एकाकीपन को एक अधूरी प्रेम कहानी के माध्यम से दर्शाए। मैं वर्तमान समय की एक ऐसी प्रेम कहानी लिखना चाहती थी जिसमें पुराने जमाने की खूबसूरती हो।''

उन्होंने कहा, ''पहले के दौर में भारत की प्रेम कहानियां आमतौर पर एक ही समुदाय, वर्ग, धर्म और स्थान तक सीमित होती थीं लेकिन आज की वैश्वीकृत दुनिया में प्रेम कहानियां कई दिशाओं में फैल सकती हैं।'' जूरी ने 667 पृष्ठों वाले 'द लोनलीनेस ऑफ सोनिया एंड सनी' को प्रेम और परिवार, भारत और अमेरिका, परंपरा और आधुनिकता का 'महाकाव्य'' बताया, जो दो भारतीय युवाओं सोनिया और सनी के इर्द-गिर्द घूमती है। आयरलैंड के उपन्यासकार एवं बुकर पुरस्कार 2025 की जूरी के अध्यक्ष रॉडी डॉयले ने कहा, ''हमें 'फ्लेश' के बारे में जो सबसे ज़्यादा पसंद आया, वह उसकी अद्वितीयता है। यह किसी भी अन्य किताब जैसी नहीं है। यह एक गंभीर किताब है, जिसे पढ़ने में हम सभी को आनंद आया।'' इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की दौड़ में शामिल अन्य कृतियों में अमेरिकी-कोरियाई लेखिका सुज़ैन चोई की फ़्लैशलाइट', अमेरिकी-जापानी लेखिका केटी कितामुरा की ऑडिशन', ब्रिटिश-अमेरिकी बेन मार्कोविट्स की द रेस्ट ऑफ़ अवर लाइव्स' और अंग्रेज़ी उपन्यासकार एंड्रयू मिलर की 'द लैंड इन विंटर' शामिल थीं। पुरस्कार के लिए चयनित किए गए सभी छह लेखकों को 2,500 पाउंड मिलेंगे।

इस्लामाबाद में अदालत के बाहर आत्मघाती बम विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई : पाकिस्तान के गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित एक अदालत के बाहर मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए।

विस्फोट स्थल का दौरा करने वाले नकवी ने कहा कि हमलावर अदालत परिसर में घुसना चाहता था, लेकिन असफल होने पर उसने दोपहर 12.39 बजे (स्थानीय समयानुसार) राजधानी के जी-11 इलाके में इमारत के फाटक पर एक पुलिस वाहन के पास विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया। मंत्री ने कहा कि इस्लामाबाद जिला न्यायिक परिसर के पास हुए विस्फोट में 12 लोग मारे गए और 27 अन्य घायल हो गए, जिनमें सुरक्षाकर्मी और एक वकील भी शामिल हैं। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसे हमले आमतौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानी (टीटीपी) द्वारा किए जाते हैं।

नकवी ने अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा, ''हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है... जब भी हमलावर की पहचान हो जाएगी, हम मीडिया को जानकारी देंगे।'' नकवी ने कहा कि पीड़ितों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को प्रायोजित करने वालों ने वित्तपोषण की राशि तीन गुना बढ़ा दी है। उन्होने कहा, ''हम आज के विस्फोट को कई कारकों से जोड़ रहे हैं। आने वाले घंटों में चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। इसके कई संदेश हैं...।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस समय कुछ नहीं कहना चाहता, जैसा कि अक्सर भारतीय करते हैं (ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद दोषारोपण शुरू कर देते हैं)। हम पूरे सबूत और विवरण के साथ आएंगे।'' नकवी ने कहा कि ''पाकिस्तान का स्पष्ट मानना है कि अफगानिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद को रोकना चाहिए, अन्यथा हमें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।''

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ दोनों ने इस हमले को आत्मघाती विस्फोट' करार दिया।

राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शुरुआती सत्र जनवरी में भुवनेश्वर में होगा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शुरुआती सत्र जनवरी में भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कलिंगा स्टेडियम परिसर में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता की तारीख हालांकि अभी तय नहीं है। एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा, राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप का आयोजन पहले से प्रस्तावित था और हमने इसे 2026 के घरेलू कैलेंडर में शामिल कर लिया है।

एथलेटिक्स कैलेंडर में पहली बार राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप को शामिल करना एएफआई द्वारा 2028 एशियाई इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी हासिल करने की कोशिशों के अनुरूप है। सागू के अनुसार एएफआई राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप के अलावा पोल वॉल्ट (पुरुष और महिला) और हेप्टाथलॉन में अलग-अलग इनडोर प्रतियोगिताएं आयोजित करने की भी योजना बनाई है। उन्होंने कहा, 2026 का घरेलू कैलेंडर रोमांचक होगा।

दो दिनों तक चलने वाले पुरुषों के लिए इंडोर हेप्टाथलॉन में 60 मीटर, लंबी कूद, गोला फेंक, ऊंची कूद, 60 मीटर बाधा दौड़, पोल वॉल्ट और 1,000 मीटर दौड़ शामिल होंगी। शुरुआती चार स्पर्धाएं पहले दिन आयोजित की जाएँगी, जबकि शेष तीन स्पर्धाएं इस चुनौतीपूर्ण स्पर्धा के दूसरे दिन आयोजित की जाएंगी।

वीजा अस्वीकृत होने के बाद सुमित नागल ने चीन के दूतावास से मदद मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के दूतावास से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन प्लेऑफ के लिए चीन जाने के उनके वीजा आवेदन को बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया था। नागल ने 'एक्स' पर अपील की जिसमें उन्होंने भारत में चीनी राजदूत और चीनी दूतावास के प्रवक्ता को टैग किया। नागल ने लिखा, भारत में चीन के दूतावास और भारत में चीन के प्रवक्ता। मैं सुमित नागल हूं, भारत का नंबर एक टेनिस खिलाड़ी। मुझे ऑस्ट्रेलियाई ओपन प्लेऑफ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए जल्द ही चीन जाना है लेकिन मेरा वीजा बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया गया। आपकी तत्काल मदद के लिए मैं आभारी रहूंगा।

शीर्ष 100 में जगह गंवाने के बाद नागल ग्रैंडस्लैम जैसी शीर्ष प्रतियोगिताओं में सीधे प्रवेश नहीं कर सकते और वाइल्ड कार्ड प्रविष्टियों या क्वालीफायर पर निर्भर हैं। हरियाणा के झज्जर के 27 वर्षीय नागल वर्तमान में भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी हैं जो नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 275वें स्थान पर हैं। नागल को ऑस्ट्रेलियाई ओपन प्लेऑफ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चेंग्दू जाना था जिससे क्षेत्रीय खिलाड़ियों को 2026 ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश मिलेगा। इस मुद्दे पर चीन के दूतावास या टूर्नामेंट आयोजकों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यदि इस मामले का शीघ्र हल नहीं निकलता तो नागल को इस प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ेगा जिससे 2026 सत्र के पहले ग्रैंड स्लैम में प्रवेश करने की उनकी संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है। पिछले साल नागल ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में भाग लिया था जहां वह शुरुआती दौर में हार गए थे। वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के मुख्य ड्रॉ में भी जगह नहीं बना पाए थे। उन्होंने स्विट्जरलैंड पर भारत की डेविस कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और निचली रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अपने दोनों एकल मैच जीते थे।

'एक शाम बालाजी के नाम' भजन संध्या में बही श्रद्धा व आस्था की गंगा

• प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल ने दी प्रस्तुति • एफटीएस युवा ने 150 एकल विद्यालयों के लिए जुटाया आर्थिक सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फ्रेंड्स ऑफ ट्रॉइबल सोसाइटी (एफटीएस) युवा द्वारा रविवार को एक शाम बालाजी के नाम' का आयोजन प्रिंसेस श्राइन सभागार में हुआ जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल ने अपनी 15 सदस्यों की टीम के साथ प्रस्तुति दी। मित्तल ने बालाजी, श्याम बाबा व प्रभु राम के भजनों की प्रस्तुति दी। कन्हैया मित्तल ने तेरा सालासर दरबार म्हाने अच्छा लागे सै ...,भारत का बच्चा-बच्चा जय श्रीराम बोलेगा...,श्रीराम जी के दास मेरे बालाजी हनुमान....' भजनों पर श्रद्धालु नाचते झूमते नजर आए। देर रात तक भजनों की धारा बहती रही।

कार्यक्रम में संस्था के अनेक राष्ट्रीय व स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित थे। महाआरती के बाद हुई गणेश वंदना पर चामराजनगर अंचल की एकल विद्यालय की एक नन्ही विद्यार्थी ने प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप के मुरारीलाल सरावगी व एवनप्लास्ट के सुनील बजाज, पूर्णाहुति प्रसादी के लाभार्थी घनश्याम विजय गोयल, महामंगल आरती के लाभार्थी ईशा विक्रम अग्रवाल व श्याम बाबा के श्रृंगार के लाभार्थी संजय बैद, राम दरबार के श्रृंगार के लाभार्थी नवीन गुप्ता, बालाजी के श्रृंगार के लाभार्थी सरिता आशीष गुप्ता, छप्पन भोग के लाभार्थी मदनलाल माली व स्वर्ण प्रायोजक भंवरलाल प्रितेश बुरड, गणपत माली, पवन राजलीवाल एवं रमेश कुमार टिबरेवाल आदि का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। एफटीएस युवा के अध्यक्ष प्रितेश बुरड ने सभी का स्वागत करते हुए यह आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी टीम की भावना, एकता और सेवा का पर्व था। एफटीएस के सचिव विकास गुप्ता ने वनबंधु परिषद की राष्ट्रीय टीम का स्वागत किया।

पूर्व युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से वनवासी ग्रामों में संचालित 150 एकल विद्यालयों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाया गया तथा एक बड़ी आर्थिक राशि का चेक एफटीएस बेंगलूरु के अध्यक्ष हाथीमल बैद व अन्य पदाधिकारियों को सौंपा गया। गायक कन्हैया मित्तल के सहयोग से यह आंकड़ा 151 पर पहुंच गया। महाप्रसादी व्यवस्था में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा और राजगढ़-सादुलपुर नागरिक युवा संघ का विशेष सहयोग रहा। कार्यकारी अध्यक्ष पवन राजलीवाल ने सभी सहयोगियो व कार्यकर्ताओं के सहयोग की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। इस वर्ष पूरे वर्ष संगठन के प्रति अत्यधिक सक्रियता और समर्पण दिखाने वाली रचना डालमिया और मितेश खंडेलवाल कोसम्मानितकिया।

निवेदन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वर के 871 वर्ष पुराने अग्निसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में शामिल होने के लिए चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्यों ने भायंदर में विराजित आचार्यश्री मनोज्ञसागरजी, हैदराबाद में गच्छगणिनी सुलोचनाश्रीजी, कनकप्रभाश्रीजी के दर्शन कर निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया। समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा , सहमंत्री सुरेश लुनिया, समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने संतों से निवेदन किया।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग का दीक्षांत समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद, गांधीनगर के तत्वावधान में आयोजित कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग प्रशिक्षण का दीक्षांत समारोह गांधीनगर तेरापंथ भवन में हुआ । अभातेयुप के संगठन मंत्री रोहित कोठारी ने श्रावक पत्र का वाचन किया। परिषद के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अधिवक्ता स्वर्णलता पोखरणा ने कहा कि आत्मविश्वास सफलता की पहली सीढ़ी है और ऐसा प्रशिक्षण युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करता है।

विशिष्ट अतिथि व सीपीसी के मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत व राष्ट्रीय प्रशिक्षक दिनेश मरोठी ने प्रतिभागियों को आत्म-प्रेरणा, प्रभावी नेतृत्व के महत्वपूर्ण सूत्र सिखाए। अन्य प्रशिक्षक अमीता बंब एवं श्रीमती डिंपल सियाल ने प्रशिक्षण दिया।

संयोजक सुधीर पोकरणा, पुनीत आच्छा व अतिथियों ने दीक्षांत अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। परिषद के मंत्री प्रदीप चोपड़ा ने धन्यवाद दिया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अंबेडकर महाविद्यालय नागरभावी में क्रिकेट स्पर्धा 'हॉस्टल क्रिकेट लीग 2025' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि टोक्यो ओलंपिक, पैरालंपिक 19वें एशियन गेम्स, आईसीसी एकदिवसीय महिला क्रिकेट विश्व कप में भारत के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करके दुनिया को यह दिखा दिया कि यह नया भारत है, युवाओं के सपनों का भारत है, नित्य नई ऊंचाइयां को छूने वाला भारत है। खिलाड़ियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

राजाजीनगर में कल नवकार महामंत्र के अखंड जाप का होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुरकिया भवन से अपना चातुर्मास सम्पन्न कर उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी, डॉ. वरुण मुनिजी एवं रूपेश मुनिजी मंगलवार को दोपहर में विहार कर राजाजीनगर के उगमराज जैन के निवास पहुंचे। राजाजीनगर संघ के महामंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि रविवार तक संतों का प्रवास जैन स्थानक, राजाजीनगर में रहेगा। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द चाणोदिया सहित अनेक पदाधिकारियों ने संतों का स्वागत किया व गत वर्ष के चातुर्मास की यादों को ताजा किया। मुनि रूपेश मुनिजी ने बताया कि 13 नवंबर को

गुरु अमर मासिक पुण्य स्मृति के अवसर पर अमरचंद गांधी के निवास स्थान पर सुबह से सवा 5 घंटे का नवकार महामंत्र का अखंड जाप का आयोजन होगा।

गुरु जीवन निर्माता होते हैं : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मैसूरु रोड स्थित वीटू वैशाख अपार्टमेंट पहुंचे उप प्रवर्तक श्री नरेश मुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु जीवन निर्माता है। गुरु के बिना जीवन की साधना अधूरी है। सदाचार चारित्र का प्रसार गुरु भक्ति के होने पर ही होता है। सद्गुरु की शिक्षा प्राप्त होते ही सभी गुण स्वयमेव प्राप्त होने लगते हैं। संतश्री ने महान धनुर्धर एकलव्य का उदाहरण देते हुए कहा कि गुरु ने उन्हें धनुर्विद्या सिखाने से मना कर दिया था, लेकिन इस पर भी एकलव्य की अपने गुरु के प्रति आदर भक्ति की भावना कम नहीं हुई थी। अपितु अपने गुरु की मूर्ति बनाकर उस मूर्ति के सामने अपनी धनुर्विद्या का गहरा अभ्यास किया। जिनकी अदभुत रोचक धनुर्विद्या के महा कौशल को देख कर स्वयं गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य की गुरु भक्ति की प्रशंसा सराहना करते हुए अपना आशीर्वाद दिया। एकलव्य की यह गुरु भक्ति इतिहास में सदा के लिए अमर हो गई। गुरु भक्ति के बिना कुछ भी नहीं है। गुरु की महिमा अपरम्पार है।

संतश्री ने कहा कि अपने हृदय में गुरु के प्रति भक्ति,आदर सम्मान, प्रेम का भाव सदा ही बना रहे क्योंकि उनके प्रताप और प्रसाद से ही भव्य जीवों के हृदय में चारित्र का भाव जाग्रत होता है और यह चारित्र ही संसार का निवारण करने वाला है। यदि गुरु न होते तो संसार में सर्वत्र अंधकार ही दृष्टिगोचर होता। इसलिए सबसे बड़ा पद गुरु का है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को गुरु के प्रति असीम श्रद्धा और भक्ति का भाव रखना चाहिए, क्योंकि साधक पर सदगुरु का इतना विशाल ऋण है कि उसका बदला नहीं चुकाया जा सकता है। अतः प्रत्येक धर्म साधना के प्रारंभ में सद् गुरु को श्रध्दा भक्ति के साथ आदर सम्मान अभिनंदन समर्पण का भाव रखना चाहिए। मुनिश्री ने अपार्टमेंट परिवारों की सेवा, समर्पण, धर्म, भावना की सराहना की।श्री शालिभद्रमुनिजी ने अपने प्रासंगिक विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

मासिक बैठक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी अध्यक्ष कांता रायसोनी की उपस्थिति में शेषाद्रिपुरम स्थित मैना मांडोत के निवास पर हुई । बैठक में कार्तिक पूर्णिमा का महत्व व नव्वाणु महिमा पर चर्चा हुई । शंकेश्वरी बरलोटा ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का दिन पवित्र और शुभ माना जाता है, इस दिन स्नान, दान और दीपदान से जीवन में पाप मिट जाते हैं । जो श्रद्धा से शत्रुंजय की नव्वाणु यात्रा करते हैं उन्हें अनंत जन्मों का पुण्य और आत्मिक शांति का वरदान प्राप्त होता है। नव्वाणु यात्रा में श्रद्धा से चढ़े हुए हर कदम से पिछले कर्मों का क्षय होता है । इस मौके पर सदस्याओं के लिए अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी तमन्ना मेहता ने सभी को धन्यवाद दिया।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने किया संगठन यात्रा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में संगठन यात्रा का शुभारंभ साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में संगठन यात्रा का प्रथम चरण एमसी लेआउट स्थित रोशनलाल दिनेश पोकरणा के निवास पर हुआ्। अध्यक्ष महिमा पटावरी में सभी का स्वागत किया। यात्रा में युवती मंडल के गठन पर विशेष जोर देते हुए प्रत्येक युवतियों मंडल से जुड़ने पर जोर दिया। अखिल भारतीय महिला मंडल का उपक्रम बागवान जिसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र की वयोवृद्ध महिलाओं को मंडल से जोड़ना होगा, उसकी संयोजिका अंजू सेठिया को बनाया गया। महिला पटावरी ने दिसंबर में सिरियारी में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के विराट महिला सम्मेलन व मासिक पत्रिका की जानकारी दी। साध्वी संयम लताजी ने कहा कि आचार्य तुलसी ने विभिन्न अवदानों के द्वारा संघ को विश्व पटल पर नव ऊंचाइयां प्रदान की, हमें उनके बताए आदर्श को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। आचार्य तुलसी के इस दीक्षा शताब्दी वर्ष में अधिक से अधिक बहनें तुलसी प्रबोध और तुलसी अष्टम को कंठस्थ करने हेतु संकल्पित हो। संगठन यात्रा के प्रथम व द्वितीय चरण का संचालन मंत्री सरिता छाजेड़, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया तथा धन्यवाद संगठन मंत्री शिल्पा भंसाली व सहमंत्री अनिता जीरावाला ने दिया। इस मौके पर अनेक पदाधिकारी सदस्याओं सहित 32 सदस्याएं उपस्थित थीं।

मायुम स्टार्स सदस्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने स्नेह मिलन को बनाया यादगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा ने बीटीएम लेआउट स्थित एक सभागार में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया, जिसमें मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया, राष्ट्रीय संयोजक वित्त नितेश टिबडेवाल, कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुशील कुमार बंसल, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला, शाखा सचिव अजय अग्रवाल, स्टार्स शाखा के संस्थापक अध्यक्ष मनोज पोद्दार सहित अनेक पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन किया। शाखा के अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने सभी का स्वागत किया। समारोह में मंच परिवार के करीब 100 से अधिक सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज में फैली हुई कुकृतियों, जैसे कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, एसिड अटैक, दहेज प्रथा पर प्रहार करते हुए मंचन किया। इस मौके पर शो स्टॉपर के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सम्मानित होने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मेघा पतंगी का शाखा द्वारा विशिष्ट सम्मान किया गया। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम संयोजक मनीष अग्रवाल एवं आकाश अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन में नारी शक्ति का विशेष सहयोग रहा। विभिन्न अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। शाखा के सचिव अजय अग्रवाल ने धन्यवाद दिया।

गच्छाधिपति जिनकांतिसागर सूरीश्वर की पुण्यतिथि पर हुआ उनका गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी द्वारा गच्छाधिपति आचार्य जिनकांतिसागर सूरीश्वरजी की 40वीं पुण्यतिथि पर गुणानुवाद करके संतश्री मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी, साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में मनाई गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने गुरुदेव के प्रति समर्पण और श्रद्धा दर्शाते हुए कहा कि उनका आध्यात्मिक तेज बहुत उच्च कोटि का रहा था। इसके अलावा कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पारसमल पगारिया, अरविन्द कोठारी, जवेरीलाल गुलेच्छा, ललित डाकलिया, आरती जैन द्वारा गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलन करके श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने गुरुदेव के प्रति श्रद्धांजलि दी। मलयप्रभसागरजी ने गुणानुवाद करते हुए कहा कि अलग अलग फूलों के अलग-अलग रंग होते हैं, लेकिन कांतिसागरजी एक ऐसे पुष्प थे जिनकी पंखुड़ियां अलग अलग रंगों की थी। उनके प्रवचन सार्वजनिक होते थे जिनमें सर्वधर्मों की बात होती थी। गुरुदेव सभी धर्मों का ज्ञान रखते हुए उन पर धाराप्रवाह प्रवचन देते थे। गुरुदेव ने राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के अनेक व्यक्तियों को अनेक विषयों पर प्रतिबोध दिया। सिंहगर्जक गुरुदेव जीवन शिल्पी के तौर पर भी जाने जाते हैं जिन्होंने अनेक पुरानी मान्यताओं को तोड़कर समाज सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रसंत गुरुदेव ने पूर्व से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक और हिमालय, बद्रीनाथ, केदारनाथ तक विहार किया था। उन्होंने आध्यात्म की साधना और योग साधना की थी। वर्तमान के क्रांतिकारी प्रवचनों की शुरुआत युगप्रभावक, क्रांतिकारी प्रवचनकार गुरुदेव ने आज से साठ वर्ष पूर्व की थी। साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी ने अपने दीक्षा के प्रारंभिक काल के गुरुदेव के साथ अनेक संस्मरण सुनाए। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव के अनेक अनछुए पहलुओं के बारे में बताया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने अपने बचपन में गुरुदेव से मिली धर्म के प्रति जागरूकता और प्रेरणा के बारे में बताया। हर्ष जैन और आरती जैन ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

बसवनगुड़ी में आयोजित हुई 40वीं पुण्यतिथि

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com